राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 172 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शनिवार 27 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

संसद में कंगना ने सरकार से क्या पूछा पहला सवाल, जानकर खुश हो जाएंगे आप

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी की सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने लोकसभा में पहली बार कोई सवाल पूछा। सबसे पहले उन्होंने सवाल पूछने का मौका दिए जाने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का धन्यवाद जताया। कंगना स्पीकर द्वारा अपना नाम पुकारे जाने पर बोलने के लिए खड़ी हुईं। उन्होंने कहा, माननीय अध्यक्ष महोदय जी मैं आपका मेरी तरफ से और मंडी की जनता की तरफ से हार्दिक अभिनंदन करती हूं कि आपने पहली बार सभा में मुझे मंडी क्षेत्र के विषय में बोलने का मौका दिया। कंगना ने कहा कि मंडी क्षेत्र में ऐसी बहुत सारी कलाशैलियां हैं जो विलुप्त हो रही हैं। हमारे हिमाचल प्रदेश में जो एक घर बनाने की शैली है जिसे काठपुली कहा जाता है। वहां भेड़ और यॉक की ऊनों से विभिन्न प्रकार के वस्त्र बनाए जाते हैं। जैसे-जैकेट, टोपी, शॉल आदि। इन वस्त्रों का बाहर के देशों में काफी अच्छा मूल्य मिलता है। लेकिन हमारे यहां इनकी उपेक्षा हो रही है।

भाजपा वोट के लिए नफरत फैलाती है अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि कारोबार लोगों को जोड़ता है लेकिन भाजपा वोट के लिए नफरत फैलाती है। भेदभाव करती है। समाज को लड़ाती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अयोध्या में हार गई। भाजपा को पता चल गया है कि साम्प्रदायिक राजनीति खत्म हो रही है। वह फिर से समाज में दूरियां पैदा करने के लिए फैसले ले रही है। कहा कि लोग नौकरी, तरक्की, खुशहाली चाहते हैं। महंगाई, बेरोजगारी से निजात चाहते हैं लेकिन भाजपा किसानों, नौजवानों, गरीबों के मुद्दे पर बात नहीं करती है। भाजपा सरकार झूठे वादे करती है। बड़ी-बड़ी बाते करती है लेकिन वो उसके फैसलों में दिखाई नहीं देता है। भाजपा ने पिछड़ों, दलितों का आरक्षण छीना, नौजवानों को नौकरियां नहीं दी। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है।

पीएम मोदी ने अग्निपथ योजना पर दिया बयान, आतंकवाद के लिए कहा

हमारे जांबाज इसे पूरी ताकत से कुचलेंगे.....पीएम मोदी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश भर में आज कारगिल विजय दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 25वें कारगिल विजय दिवस के मौके पर द्रास पहुंचे है। यहां उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कारगिल युद्ध स्मारक पहुंचे है। उन्होंने 1999 की जंग में प्राण गंवाने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। अग्निपथ योजना भी सेना द्वारा किए गए आवश्यक सुधारों का एक उदाहरण है। कुछ लोग सोचते थे कि सेना का मतलब राजनेताओं को सलामी देना, परेड करना है लेकिन हमारे लिए सेना का मतलब 140 करोड़ देशवासियों की आस्था है। अग्निपथ का लक्ष्य सेना को जवान बनाना है, सेना को युद्ध के लिए निरंतर फिट रखना है। दुर्भाग्य से, कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने सेना में हजारों करोड़ रुपये के घोटाले करके हमारी सेना को कमजोर किया। अग्निपथ योजना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, पता नहीं कुछ लोगों की सोच को क्या हो गया है। वे यह भ्रम फैला रहे हैं कि सरकार पेंशन का पैसा बचाने के लिए यह योजना लेकर आई है... आज के रंगरूटों के लिए पेंशन का सवाल 30 साल बाद उठेगा... हमने सेना द्वारा लिए गए इस फैसले का सम्मान किया है क्योंकि हम 'राष्ट्रनीति' के लिए काम करते हैं, 'राजनीति' के लिए नहीं... पीएम नरेंद्र मोदी ने इसके बाद द्रास में कारगिल वॉर मेमोरियल का दौरा किया। इससे पहले आर्मी चीफ ने द्रास पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी है। गौरतलब है कि हर वर्ष 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष कारगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूरे हो गए है। इस मौके पर खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद का समर्थन करने वाले पाकिस्तान को भी जमकर लताड़ा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है। जितने दुष्प्रयास किए गए है हमेशा औंधेमुंह ही पाकिस्तान गिरा है। वो आज भी आतंकवाद और प्रॉक्सी वार के जरिए ही खुद को बनाए रखना चाहता है। आज मैं जहां से बोल रहा हूं वहां से आतंक के आकाओं को मेरी आवाज सुनाई देगी। आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों को समझना होगा की उनके नापाक मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। हमारे जवान पूरी ताकत से आतंकवाद को कुचलेंगे और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, आज लद्दाख की ये महान भूमि कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ की गवाह बन रही है। कारगिल विजय दिवस हमें बताता है कि राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदान अमर हैं। उन्होंने कहा कि लद्दाख हो या जम्मू-कश्मीर, भारत विकास की राह में आने वाली हर चुनौती को परास्त करेगा। कुछ ही दिनों में, 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 को समाप्त हुए 5 साल हो जाएंगे। जम्मू-कश्मीर एक नए भविष्य की बात कर रहा है, बड़े सपनों की बात कर रहा है...

आतंक के आका मुझसे सीधे सुन सकते हैं.......

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 1999 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के अधिकारियों और सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए द्रास युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 1999 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के अधिकारियों और सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए द्रास युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उनके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे-मोदी

उन्होंने कहा कि आज, लद्दाख की यह महान भूमि कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ देख रही है। कारगिल विजय दिवस हमें बताता है कि राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदान अमर हैं... मैं आतंक के आकाओं को बताना चाहता हूं कि उनके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। हमारे दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा भारत लद्दाख या जम्मू-कश्मीर के विकास के रास्ते में आने वाली हर चुनौती को हराएगा। कारगिल विजय दिवस हमें दिखाता है कि राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदान को हमेशा याद रखा जाता है। उन सैनिकों को हमेशा याद किया जाएगा और हम उनके बलिदान के ऋणी हैं। कारगिल युद्ध के दौरान मैं युद्ध के सैनिकों के बीच था।

31 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

मनीष सिसोदिया और के कविता को बड़ा झटका

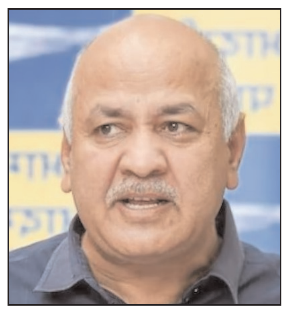

नई दिल्ली। आप नेता मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता को राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी सीबीआई मामले में मनीष सिसौदिया और के कविता की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी। इससे पहले गुरुवार को ईडी धनशोधन के मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत भी 31 जुलाई तक बढ़ा दी थी। आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश किया गया था। उच्चतम न्यायालय दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में, आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत देने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सिसोदिया की याचिकाओं पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा तथा मामले पर अगली सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तारीख तय कर दी। पीठ में न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन भी शामिल हैं। पीठ जमानत देने का अनुरोध करने वाली सिसोदिया की याचिकाओं के साथ ही आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन मामलों में उनकी याचिकाओं पर पुनर्विचार करने के अनुरोध पर भी सुनवाई कर रही है।

तेलंगाना के बाद अब महाराष्ट्र से टूटा संपर्क, बाढ़ की चपेट में कई गांव, नदी में डूबने से शख्स की मौत

बीजापुर। बीजापुर के भोपालपटनम ब्लॉक के कई इलाकों में फिर से बाढ़ के हालात बन गए हैं। नेशनल हाइवे 163 तारलागुडा और नेशनल हाइवे 63 महाराष्ट्र का सड़क संपर्क छत्तीसगढ़ से टूट गया है। बाढ़ कि वज़ह से दोनों हाइवे में 4 फ़ीट तक पानी चढ़ गया है। आवागमन पूरी तरह से ठप हो चूका है। इधर भोपालपटनम ब्लॉक के देपला, मेटलाचेरू, दुधेडा, तारुड, भद्रकाली, तारलागुडा, अन्नारम सहित दर्जन भर से अधिक गांव बाढ़ कि चपेट मे है।

जानें कहां होगा राहुल का नया ठिकाना?

बहन प्रियंका कर चुकीं हैं आवास का दौरा......

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आधिकारिक आवास बदलने जा रहा है। बताया गया है कि नई दिल्ली की सुनहरी बाग रोड स्थित पांच नंबर बंगला कांग्रेस सांसद का नया आधिकारिक आवास होगा। आपको बता दें कि अब तक नेता प्रतिपक्ष अपनी मां सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ लेन में रह रहे थे। इन बातों की पहले से चर्चा थी कि राहुल गांधी नए आवास में जाने वाले हैं। इन चर्चाओं को बल तब मिला, जब राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने सुनहरी बाग स्थित बंगला नंबर पांच का दौरा किया। संसद से जुड़े सूत्रों का कहना है कि संसद की आवास समिति ने राहुल गांधी को नए बंगले की पेशकश की गई है और अब उनके जवाब का इंतजार किया जा रहा है। इस बीच राहुल गांधी ने भी सुनहरी बाग रोड स्थित बंगला नंबर पांच का जायजा लिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को शुक्रवार को बंगले से बाहर निकलते हुए देखा गया है। जब से राहुल गांधी सांसद बने हैं, तब से उनका आवास 12, तुगलक लेन रहा था।

मानहानि केस में सुल्तानपुर कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी

मैं निर्दोष हूं मेरे खिलाफ साजिश हुई अब 12 अगस्त को सुनवाई..

नई दिल्ली/ एजेंसी

मानहानि मामले की सुनवाई के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने अगली सुनवाई 12 अगस्त को तय की है, जब याचिकाकर्ता का बयान दर्ज किया जाएगा। सूत्र बताते हैं कि गांधी को उस तारीख पर अदालत में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया और कहा कि सभी आरोप झूठे हैं और शिकायत राजनीतिक द्वेष के कारण दर्ज की गई है। सुनवाई की अगली तारीख 12 अगस्त तय की गई है और शिकायतकर्ता को उस पर सबूत पेश करना होगा जिस दिन अदालत द्वारा जिरह की जाएगी। मामला 2018 का है, जब बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी पर अपमानजनक टिप्पणियों का आरोप लगाया था, जिसमें कांग्रेस सांसद ने अमित शाह को एक हत्या के मामले में अभियुक्त बताया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पहले इस मामले में 20 फरवरी को जमानत दे दी गई थी, जिससे अदालती कार्यवाही में भाग लेने के लिए उनकी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' बाधित हो गई थी। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने राहुल गांधी को अपना बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था। और अनुपालन में विफल रहने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, छत गिरने से 10 साल के बच्चे की मौत, परिजनों में मातम

कोंडागांव। कोण्डागांव जिले में लगातार हो रही बारिश ने कहर बरपा रखा है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसी बीच प्राकृतिक आपदा के कारण एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सिटी कोतवाली कोण्डागांव के तहत आने वाले पलारी गांव के नानीपदर में आज सुबह एक 10 वर्षीय मासूम बच्चा टॉयलेट करते समय मलबे में दब गया। जानकारी के अनुसार, लगातार हो रही बारिश के कारण टॉयलेट की छत और सैप्टिक टैंक की दीवार गिर गई। इस हादसे में बालक आकाश मंडावी, पिता सुरजू मंडावी, मलबे में दब गया ।

नेम प्लेट विवाद

जारी रहेगा सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश,सोमवार को होगी सुनवाई...

नई दिल्ली/ एजेंस

सुप्रीम कोर्ट ने कुछ राज्य सरकारों के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश को जारी रखा है, जिसमें कहा गया था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों को ऐसी दुकानों के बाहर मालिकों के नाम प्रदर्शित करने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि भोजनालयों को मालिक या कर्मचारी के नाम प्रदर्शित करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा, कोई भी स्वेच्छा से ऐसा कर सकता है। जानकारी के मुताबिक इस मामले में सोमवार को अगली सुनवाई होगी। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने की अनिवार्यता का हवाला देते हुए, कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकान मालिकों को अपना नाम प्रदर्शित करने की आवश्यकता वाले अपने निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं का कड़ा विरोध किया है। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी दलील में बताया कि यह निर्देश हिंदू तीर्थयात्रा के दौरान शांति बनाए रखने के लिए लागू किया गया था। यह निर्देश कांवरियों की शिकायतों के बाद लागू किया गया था, जिन्होंने दुकानों और भोजनालयों के नाम के कारण भ्रम की स्थिति बताई थी। पुलिस अधिकारियों ने इन चिंताओं को दूर करने और तीर्थयात्रियों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने इस निर्देश के कार्यान्वयन को अस्थायी रूप से रोक दिया था।

कांग्रेस विधायकों का सदन से वाक आउट

जब 0 से 3 साल आयु तक के बच्चों का ही पोषण नहीं हो पा रहा तो कहां का सुशासन

रायपुर। समय दर्शन

विधानसभा में आज विपक्षी कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल के समय में गर्भवती महिलाओं तथा 0 से 3 वर्ष के बच्चों को गरम भोजन देने की जो योजना थी उसे बंद कर दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि जब 0 से 3 साल आयु तक के बच्चों का ही पोषण नहीं हो पा रहा तो कहां का सुशासन रहा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेस विधायक द्वय श्रीमती अनिला भेड़िया एवं श्रीमती संगीता सिन्हा ने भी इस मुद्दे पर महिला बाल विकास मंत्री को घेरा। मंत्री की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विरोध में सारे कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक श्रीमती अनिला भेड़िया का सवाल था क्या पूर्व शासनकाल में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, महतारी जतन योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार लाने हेतु आंगनबाड़ी में गर्भवती महिलाओं को गरम भोजन दिया जा रहा था? क्या उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण किया जा रहा था? क्या उक्त योजना बंद कर दी गई है? महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की तरफ से जवाब आया कि गर्भवती माताओं की नियमित स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण कराया जा रहा है। हितग्राहियों की साम्यता को दृष्टिगत रखते हुये महतारी जतन योजना को छत्तीसगढ़ शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सुपोषण योजना में समाहित किया गया था। योजना बंद नहीं की गई है। गाइड लाइन के अनुसार इसके लिए मद निर्धारित होती है। जहां डिमांड होती है वहां गर्भवती महिलाओं को भोजन देते हैं। चार जिलों में यह चल रहा है। चाहें तो अधिकारियों से जानकारी ले सकते हैं। श्रीमती भेड़िया ने कहा कि यहां 90 विधानसभा के विधायक बैठे हैं। कहीं यह योजना नहीं चल रही है। हमारी सरकार थी तो इस योजना के लिए 160 करोड़ का प्रावधान बजट में रखा था। आप लोगों ने इसे घटाकर 25 करोड़ कर दिया। हमारे समय में गर्भवती महिलाओं के मृत्यु दर में भी कमी आई थी। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 0 से 3 वर्ष के बच्चों के लिए भी गरम भोजन वाली योजना चालू करें। नहीं तो प्रदेश फिर से कुपोषण की तरफ चला जाएगा। लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि आप कहती हैं कि कुपोषण में वृद्धि हो जाएगी। वास्तविकता यह है कि पिछले छह माह में कुपोषित दर 12 प्रतिशत घटी है। आने वाले समय में जैसी डिमांड आएगी इस योजना पर काम करते चले जाएंगे। श्रीमती भेड़िया ने कहा कि आप की सरकार बनने के बाद न तो रेडी टू इट पर सर्वे हुआ है और न ही वजन त्यौहार हो रहा है। आपको नई-नई जानकारियां कहां से मिल जाती है। हमारी सरकार के समय में जरूर कुपोषण दर में 17 से 18 प्रतिशत तक की कमी आई थी। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि जब 0 से 3 साल आयु तक के बच्चों का ही पोषण नहीं हो पा रहा तो कहां का सुशासन रहा।

कांग्रेस विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने कहा कि मंत्री की ओर से जवाब आ रहा है कि योजना बंद नहीं हुई है। मेरे विधानसभा क्षेत्र में अप्रैल से अब तक सुपोषण योजना का भोजन नहीं दिया जा रहा है। गर्भवती महिला की ओर से आवेदन दिए जाने पर डिलवरी के छह माह तक भोजन दिया जाता है। आंगनबाड़ी में जाने वाले बच्चों को भी भोजन नहीं मिल रहा। योजना को वापस कब से शुरु करेंगे? मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि योजना बंद नहीं हुई है। शासन की गाइड लाइन के हिसाब से इस पर काम हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मंत्री कह रही हैं कि चाहें तो अधिकारियों से जानकारी ले लें। सदन चल रहा है। हम तो मंत्री से ही बात करेंगे। बच्चों व महिलाओं से जुड़ी योजना पर संतोषपूर्ण जवाब नहीं आ रहा है। इसके विरोध में हम बहिर्गमन करते हैं। इसके साथ ही सारे कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर चले गए।

अनुसूचित क्षेत्रों में सही तरीके से नहीं हो रहा चने का वितरण- भूपेश

रायपुर। अनुसूचित क्षेत्रों में चना वितरण व्यवस्था का सही ढंग से क्रियान्वयन नहीं होने का आरोप लगाते हुए आज विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खाद्य मंत्री दयालदास बघेल को घेरा। प्रश्नकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सवाल था कि राज्य शासन द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों में चना वितरण हेतु व्यवस्था एवं मापदंड निर्धारित किया गया था। वर्तमान में उसका पालन करते हुए हितग्राहियों को चना उपलब्ध कराया जा रहा है या नहीं? क्या चना वितरण बंद किया गया है? यदि हां, तो उसका कारण क्या है? खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की ओर से जवाब आया कि राज्य शासन द्वारा निर्धारित मापदंड अनुसार राज्य के सभी अनुसूचित विकासखण्डों तथा माडा क्षेत्र के समस्त अंत्योदय एवं प्राथमिकता परिवारों के राशनकार्ड धारियों को वर्तमान में हर महीने 2 किलो चना 5 रूपये प्रति किलो के मान से प्रदाय किया जा रहा है। भूपेश बघेल ने पूछा कि चने में कितनी मात्रा में कमी या अधिकता पाई गई? खाद्य मंत्री ने कहा कि चना वितरण में थोड़ा विलंब हुआ है। भारत सरकार की गाइड लाइन पर चलना होता है। खुली निविदा होती है, लेकिन चना वितरण जारी है। भूपेश बघेल ने कहा कि जो चना वितरित हो रहा चाहें तो उसकी गुणवत्ता की जांच करा लें। नेता प्रतिपक्ष जी ने यहां चने का पैकेट भी भिजवाया है। खाद्य मंत्री ने कहा कि नेता जी जो पैकेट लेकर आए वह अलग है और हम जो वितरित करवा रहे वह अलग है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि चना वितरण में कितनी कमी आई है और कहां कहां वितरित नहीं हो रहा है? मंत्री ने कहा कि विलंब हुआ है लेकिन वितरण सभी जगह हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी जानकारी में मोहला मानपुर एवं गरियाबंद जिले में वितरण ही नहीं हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ पीड़ितों के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह कर रहे चाय बिस्किट की व्यवस्था

किरंदुल (समय दर्शन)। वैसे तो बाढ़ पीड़ितों के लिए हर संभव मदद एनएमडीसी व जिला प्रशासन लगातार कर रही है समस्त बाढ़ पीड़ितों के लिए कई संगठन भी सामने आकर मदद कर रहे हैं इसी कड़ी में ब्लॉक कांग्रेस के समस्त कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ित के लिए लगातार सुबह का चाय और बिस्कुट का व्यवस्था कर लोगों के घरों में जा जाकर वितरण कर रहे हैं एक सराहनीय पहल क्योंकि इस भरी बरसात में सुबह के समय लोगों को चाय का बेसब्री से इंतजार रहता है और इस बीच अगर आपके लिए कोई चाय लेकर आ जाए तो मानो उसने आपकी दिली इच्छा पूरी की आपको बता दे बीते दिनों एन एम डी सी का चेक डैम टूट जाने के कारण कई घर तवाह हो चुके हैं घरों का किचन भी बंद है ऐसी स्थिति में लोगों की अपनी जरूरत की व्यवस्था करने में काफी कठिनाई हो रही है हालांकि जिला प्रशासन व एनएमडीसी प्रशासन के द्वारा भोजन की व्यवस्था व नाश्ता की व्यवस्था तो की गई है लेकिन इन सब के बीच चाय भी एक अहम व्यवस्था है जिस व्यवस्था को करने के लिए ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ता लगे हुए हैं और सुबह 5:00 बजे से ही समस्त लोगों को चाय और बिस्किट दे रहे हैं जिसकी नगर में भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है इस विषय में किरंदुल कांग्रेस के बबलू सिद्दीकी ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों का बहुत नुकसान हो चुका है और बहुत ज्यादा मदद तो कर नहीं सकते पर हमारी टीम ने सोचा है कि जब तक बाढ़ पीड़ितों का समस्या हल नहीं हो जाता तब तक हमारी टीम के द्वारा लगातार समस्त बाढ़ पीड़ितो के लिए चाय व बिस्कुट का व्यवस्था किया जाएगा इस नेक कार्य में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजू रेड्डी जोविंस पापा चंद बाल सिंह दिनेश प्रसाद दीपक गोस्वामी व अन्य उपस्थित थे।

केंद्र सरकार का बजट लुभावनी पुड़िया के सिवा कुछ नहीं : सूर्यकांत जैन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मोदी सरकार कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट पर अपने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने कहा कि यह बजट लुभावनी पुड़िया के सिवाय कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 15 साल से मोदी सरकार के बजट को देखते आ रहे हैं। बजट में कुछ और होता है और धरातल पर कुछ और होता है। रोजगार पर केंद्रित बजट बताया जा रहा है, लेकिन उनके शासन के इतने वर्षों में बेरोजगारी की समस्या गंभीर बनी हुई है। श्री जैन ने आगे कहा कि केंद्र में जब कांग्रेस की सत्ता थी, तब जो कहती थी वह करके दिखाती थी। राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सत्ता थी, तब जो भी वादा करती उसे पूरा करके दिखाती थी, लेकिन भाजपा 15 साल से झूठ बोलती आ रही है और पता नहीं कैसे लोग उनके झूठ को सच मान लेते हैं। वित्त मंत्री ने छत्तीसगढ़ को ठेगा दिखा दिया है, जबकि बिहार और आंध्र प्रदेश को भारी भरकम पैकेज दिया है, उन्हें विशेष राज्य का दर्जा दिया गया है, लेकिन छत्तीसगढ़ प्रदेश को झुनझुना पकड़ा दिया है, जबकि विधानसभा चुनाव में जनता ने उनके बहकावे में आकर उन पर विश्वास किया, लोकसभा चुनाव में भी 11 में से 10 सीटे भाजपा के खाते में डालकर विश्वास को और मजबूत किया है। इसके विरुद्ध इस भाजपा ने डबल इंजन की सरकार बनाकर छत्तीसगढ़ की जनता के साथ विश्वासघात किया है। आने वाले चुनाव में नगरीय निकाय चुनाव और त्रि-स्तरीय स्तरीय पंचायत चुनाव में जनता इसका जवाब अवश्य देगी। यह सिलसिला देश में उपचुनावो से शुरु भी हो गया है।

किसानों को राहत देने अवैध प्लाटिंग पर चलाई जेसीबी, नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के खूड़मुड़ा वार्ड में किसानों के खे हो गए थे लबालब, अवैध प्लाटिंग करने वालो एफआई आर कराने की तैयारी

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद ।अमलेश्वर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड ग्राम खुडमूडा में पानी निकासी की समस्या को लेकर कल 25 जुलाई को नगर पालिका के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को एसडीएम के नाम ज्ञापन सोपा गया था। जिसे तुरंत संज्ञान में लेते हुए आज पानी निकासी की समस्या को हल करते हुए अवैध प्लाटिंग के लिए बनाया गया रास्ता को काटकर पानी की निकासी की गई और किसानों की समस्या का निराकरण पालिका प्रशासन के द्वारा किया गया। मौके पर सीएमओ सतीश यादव और पटवारी प्रमुख रुप से मौजूद रहे। किसानों की समस्या को देखते हुए मौके पर निरीक्षण करने उत्तर मंडल भाजपा अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर किसानों के साथ खेत पर पहुंचे और देखा कि किसानों की खेत पानी से लबालब भरा है। उपस्थित किसानों ने श्री चंद्राकर से चर्चा करते हुए बताया कि अवैध प्लाटिंग के चक्कर में जमीन दलालों द्वारा मुरूम डालकर पानी निकासी की व्यवस्था को बंद कर दिया था जिसका शिकायत सीएमओ के माध्यम से एसडीएम से किया गया था। उक्त समस्या का आज निराकरण पालिका प्रशासन के द्वारा किया गया है। नगर पालिका के सी एम ओ सतीश यादव से जानकारी लिया तो बताया गया कि ग्राम खुडमुड़ा में अवैध प्लाटिंग करने के लिए खेतों में मुरूम डालकर पानी निकासी के रास्ता को बंद किया गया है। जिस पर आज पालिका प्रशासन के द्वारा कार्यवाही करते हुए जेसीबी से रास्ता बनाया गया है और खेतों में भरा पानी को निकाला गया है। अवैध प्लाटिंग करने वाले लोगों के खिलाफ कार्य योजना बनाकर एफआईआर दर्ज कराकर उचित कार्रवाई किया जाएगा। मौके पर धर्मेंद्र सोनकर पूर्व सरपंच तुलु राम सोनकर, नारायण सोनकर, प्यारे लाल सोनकर, अंजोर दास घिड़ोडे, परस साहू, राजकुमार सोनकर, राधे लाला सोनकर, घनश्याम यादव, गज्जा यादव, गिरवर सोनकर, कुबेर सोनकर, पप्पू सोनकर, चोवा राम साहू, अश्वनी यादव, गज्जू सोनकर, रामा सोनकर सहित अन्य मौजूद रहे।

नयापारा देशी शराब भट्टी में लाखों की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए आरोपी

शराब बिक्री की नगदी रकम गल्ला समेत उठा ले गए चोर

दुर्ग (समय दर्शन)। नयापारा स्थित देशी शराब भट्टी में गुरुवार की आधी रात बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने शराब भट्टी का दरवाजा तोड़कर वहां रखे नगदी रकम को पेटी समेत पार कर दिया। पेटी में करीब 11 लाख रुपए नगदी होना बताया जा रहा है। यह रकम शराब बिक्री की थी। घटना रात करीब 2.30 बजे के आसपास की बताई गई है। वारदात का पुरा घटनाक्रम देशी शराब भट्टी में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया है। सीसीटीवी से पुलिस को मिले फुटेज में आरोपियों की संख्या 4 बताई गई है। फुटेज के आधार पर पुलिस चारों आरोपियों की पतासाजी में जुट गई है,लेकिन फिलहाल आरोपियों का कुछ पता नहीं चल पाया है। मामले में कोतवाली पुलिस द्वारा देशी शराब भट्टी के एक कर्मचारी को हिरासत में लेकर पुछताछ की जा रही है। बहरहाल देशी शराब भट्टी में बड़ी चोरी की घटना से पुलिस महकमें में हड़कंप का माहौल है। बताया गया है देशी शराब भट्टी की चौकीदारी के लिए एक गार्ड की तैनाती होती है। बावजूद चोरों ने देशी शराब भट्टी के दरवाजे में लगे ताले को आसानी से तोड़ लिया और बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

भारी बारिश के चलते निचली बस्तियों के लोग कर रहे रतजगा

स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम रहे अलर्ट : वोरा

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग-भिलाई समेत आसपास के क्षेत्रों में बीते कुछ दिनों से लगातार रुक-रुककर बारिश हो रही है। जिसके चलते शहर के मुख्य बाजार इंदिरा मार्केट, समृद्धि बाजार सहित निचली बस्तियों के निवासी वर्षा से प्रभावित हो रहे है। घरों में गंदा पानी घुसने से रतजगा कर पानी निकालने हलाकान हो रहे है। आउटर वाले वार्ड जहां नई बसाहट हुई है वहां की सडके नदियो में तब्दील हो गई। भारी बारिश के कारण इंदिरा मार्केट ड्रेनेज सिस्टम फेल हो गया है और बड़े नालो के आसपास रहने वालों के घरों में घुटने तक पानी मिल रही है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से पानी गिरने से शिवनाथ नदी उफान के साथ ही जलसंकट की स्थिति भी निर्मित हुई है। सुबह-सुबह आमजनों की शिकायत पर पूर्व विधायक व वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने निचली बस्तियों का दौरा किया व स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम व लोक निर्माण विभाग के अधिकारी जनमानस के लिए 24 घंटा मॉनिटरिंग करने कहा साथ ही जलजनित बीमारी से बचाव हेतु स्वास्थ्य अमला को सतकर्ता के साथ कार्य करने कहा। साथ ही जनता से अपील की है कि जल भराव की स्थिति में बाढ़ नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें तथा सावधानी बरते और सुरक्षित स्थान पर रहें।

अवैध महुआ शराब पर साँकरा पुलिस की कार्यवाही

108 ली. शराब, 920 किलो महुआ लाहन बरामद

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना,भंवरपुर, सांकरा, पिथौरा एरिया में अनेक नालों के किनारे अवैध कच्ची महुआ शराब की बेधड़क निर्माण और बिक्री जारी है।

कुछ जगह पर कार्यवाही होने के कुछ दिन तक मामला शांत रहता है,,समय के साथ पुनः रह अवैध कारोबार पैर पसारने लग जाता है। मुखबिरों की सूचना पर आबकारी वृत सांकरा अंतर्गत आबकारी टीम ने दो अलग-अलग स्थानों से कुल 108 लीटर महुआ शराब जब्त करने के अलावा 920 किलोग्राम महुआ लाहन में से कुछ सैम्पल लेकर शेष लाहन नष्ट किया गया है। बहरहाल, शराब व लाहन की कीमत 67 हजार 6 सौ रुपये बताई गई है।

मिली जानकारी के अनुसार अवैध शराब के विरुद्ध मुखबिर की सूचना के आधार पर आबकारी टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए आबकारी वृत्त सांकरा अंतर्गत सावित्रीपुर- भजपुरी मार्ग से लगे जंगल एवं नाले में अलग-अलग 02 स्थानों से लावारिश अवस्था में अवैध महुआ शराब बनाने का जखीरा, लाहन ,शराब बरामद किया है। वहीं पहले स्थान पर जंगल से लगे नाले से महुआ शराब 58 लीटर एवं महुआ लाहन 600 किलोग्राम तथा दूसरे जंगल से लगे नाले के किनारे से महुआ शराब 50 लीटर एवं महुआ लाहन 320 किलो ग्राम जब्त किया है।

मौके पर लाहन का सैंपल लेकर शेष लाहन नष्ट किया गया। उपरोक्त 108 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब एवं 920 किलोग्राम महुआ लाहन का कुल बाजार मूल्य 67600 रु. है।

छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) (क),34(2), 34(1) (च) एवं 59 (क) के तहत पृथक-पृथक 02 प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया है तथा आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। कार्रवाई में आबकारी वृत्त सांकरा के आबकारी उपनिरीक्षक अनिल कुमार झारिया के नेतृत्व में की गई। जिसमें आबकारी स्टाफ सांकरा उपस्थित थे।

किसी का ड्रीम प्रोजेक्ट आम जनता की मुसीबत

बिलासपुर (समय दर्शन)। हम अधिकतर देखते थे की सरकारी कामों के ठेके की निविदा सूचना में एक आवश्यक शर्त लिखी हुई होती थी। बारिश काल को छोड़कर कार्य की अवधि यह दूसरी बात है कि सरकारी काम का ठेका समय सीमा में कभी पूरा नहीं होता। हम इस बात की चर्चा नहीं कर रहे हैं। आज चर्चा है दो योजनाओं की अमृत मिशन 2 और सड़कों से लेकर खेत में बिक रही गैस पाइपलाइन.....। बिलासपुर जिले का कोई भी जनपद, नगर पंचायत, यहां तक की ग्राम पंचायतें भी और जिला मुख्यालय की सड़कें चाहे वह सड़क पीडब्ल्यूडी की हो या नेशनल हाईवे की सड़क किनारे मोटे-मोटे पाइप और पाइप के नीचे रखी रेत की बोरी कहीं भी देखी जा सकती है। कार्य करने वाला ठेकेदार कंपनी की राजनीतिक पहुंच इतनी ऊंची है कि एक सामान्य जनप्रतिनिधि को तो छोड़िए एसडीम, सीएमओ, सीईओ की भी बखत नहीं की बारिश में इस काम को रोक दें। बड़े स्कूल के सामने भी पाइप पड़ा है नाली खुदी है पाइप और नाली खुद होने के कारण जनता रांग साइड से आने को मजबूर है यह स्थिति शहर से लेकर ग्राम पंचायत तक है। बोदरी नगर पंचायत के पार्षदों ने अपने क्षेत्र की समस्या बताई इसी तरह मस्तूरी के ग्रामीण क्षेत्र लिमतरा, कर्रा के सक्रिय जागरूक नेता टाकेश्वर पाटले ने कहा कि सड़क तो छोड़िए खेत में भी पाइप रख दिए हैं। जहां से पाइप गुजरा है वहां से दोनों और एक-एक मीटर खेती की मनाही है।

मूल ठेका कंपनी और पेटी कॉन्टैक्टर के रेट के बीच में बड़ा अंतर है और कहीं-कहीं तो इस काम के पीछे राजस्व अधिकारियों की मिली भगत भी बताई जाती है। केंद्र सरकार का काम होने के नाम पर जबरदस्त मनमानी की जाती है।

भिलाई में मातृशक्ति विश्व हिंदू परिषद के द्वारा माँ-बेटी सम्मेलन आयोजित

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जननी -बाला समागम पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रखा गया

सम्मेलन में हिन्दू समाज के बीच उत्कृष्ट कार्य कर रही मातृशक्तियों का सम्मान किया गया

भिलाई (समय दर्शन)। चरोदा प्रखंड सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल भिलाई - 3 में जननी- बाला समागम (मां बेटी सम्मेलन) पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मातृशक्ति विश्व हिंदू परिषद के द्वारा किया गया। प्रत्येक सनातनी परिवार में जिस प्रकार मां और बेटी के बीच संबंध होता है वैसे ही विश्व हिंदू परिषद की आयाम मातृशक्ति और दुर्गा वाहिनी के समन्वय द्वारा नारी शक्ति को जागृत संगठित और आर्थिक स्वायत्तता की समझ विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन रखा गया बताया गया। जिसमें सैकड़ो मातृ शक्तियां अपनी युवा बेटियों के साथ उपस्थिति रहीं।

उद्घाटन सत्र में पूजन उपरांत अतिथियों द्वारा उद्बोधन दिया गया। श्रीमती चंद्रावती, रुणा शर्मा वरिष्ठ समाज सेवी के द्वारा लव जिहाद विषय पर प्रबोधन किया गया।

तत्पश्चात हिंदू समाज के बीच उत्कृष्ट कार्य कर रही मातृशक्तियों का सम्मान किया गया। श्रीमती मानसी गुलाटी के द्वारा महिला स्वास्थ्य के ऊपर जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती सरिता यादव प्रांत संयोजिका मातृशक्ति के द्वारा बताया गया कि विश्व हिंदू परिषद विश्व भर के समस्त हिंदुओं के मान बिंदुओं की रक्षा के लिए काम करता है जिसके आयाम मातृशक्ति और दुर्गा वाहिनी भी है। जैसे प्रत्येक समाज सनातनी परिवार में मां बेटी के बीच में संबंध होता है वैसे ही विश्व हिंदू परिषद परिवार में भी मातृशक्ति और दुर्गा वाहिनी मां बेटी के रूप में काम करते हैं । आज समाज में मां और बेटी के बीच में जो आत्मीय संबंध होना चाहिए वह कहीं ना कहीं विलुप्त हो चुकी है। परिणाम स्वरूप समाज में कई प्रकार की विकृतियां उत्पन्न हो चुकी है। इन विकृतियों से निदान के लिए मां और बेटी के बीच में स्वस्थ संबंध होना आवश्यक है। मां प्रौढ़ अवस्था में होने के कारण कम ऊर्जावान होती है किंतु उनके पास बहुत ज्यादा अनुभव होता है। दूसरी और बेटियों के पास ऊर्जा तो बहुत ज्यादा होती है किंतु अनुभव न होने के कारण सफल योजनाकार नहीं हो सकती। इसलिए माता के अनुभव आधारित योजनाओं का क्रियान्वयन ऊर्जा स्वरूपा बेटी करती है तो परिवार सो सुसंस्कृत होता व सफल होता है।

समापन सत्र में भिलाई-3 चरोदा प्रखंड की सत्संग समितियां द्वारा

सत्संग, सभी दुर्गा वाहिनी की बहनों और बेटियों के द्वारा मात्रृशक्ति और अपनी-अपनी माता को गुरु पूर्णिमा की शुभ अवसर पर आरती कर आशीर्वाद लिया गया। अंत में भारत माता की आरती उपरांत कार्यशाला का समापन किया गया।

कार्यक्रम में जिला संयोजीका शशि बंछोर, जिला सह-संयोजीका अंकिता तिवारी, ? संगीता सोनवानी, चरोदा प्रखंड मंजू तांडी,अंजलि पटनायक, पुष्पा सिंह, संजू सोनी, लक्ष्मी, सरोज, रजनी टांडी, शशि सोनवानी, रेखा, ममता, पूजा, माही, संगीता सैकड़ो मातृशक्ति उपस्थिति रही।

साथ ही मातृशक्ति प्रखंड में कुछ नवीन दायित्व चरोदा प्रखंड सह-संयोजीका चंद्रावती दीदी, चरोदा प्रखंड सह सेवा प्रमुख ईश्वरी दीदी, जामुल प्रखंड संयोजिका रुणा शर्मा की घोषणा की गई।

सार समाचार

शातिर बाइक चोर गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। शहर के अगल-अगल थाना क्षेत्रों में वाहन चोरी करने वाले शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 14 नग दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं। राजेंद्र नगर थानापुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। राजेंद्र नगर थाने में प्रार्थिया निशा नत्थानी ने शिकायत दर्ज करवाई कि वह चार जुलाई को स्कूटी से अपने नत्थानी बुटिक महावीर नगर गई थी। जहां किसी अज्ञात चोर द्वारा आवेदिका की स्कूटी को चोरी कर ले गया। पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। विवेचना के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मंगलवार को कोई व्यक्ति फल मंडी के पीछे सस्ते दाम में मोटर साइकिल बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर मौके में जाकर पुलिस दो को पकड़ कर पूछताछ की। पूछने पर अपना नाम टोपेश्वर साहू उर्फ संजू निवासी अवंति विहार थाना खमहारडीह रायपुर और जितेंद्र निषाद निवासी बीएसयूपी कालोनी थाना तेलीबांधा जिला रायपुर का होना बताया। दोनों आरोपित विगत 5-6 महीनों से साथ मिलकर न्यू राजेंद्र नगर क्षेत्र, बुढ़ातालाब रायपुर, मोवा पंडरी कपड़ा मार्केट, कटोरा तालाब, रामसागरपारा, अवंति विहार जगन्नाथ मंदिर पास व अन्य जगहों से अपने पास रखे मास्टर चाबी से वाहन चोरी करते थे। आरोपितों ने एक्टिवा, जुपिटर, एक्सेस, पल्सर, हीरो-होंडा स्प्लेंडर, होंडा साइन को चोरी करना स्वीकार किए हैं।

मुख्यमंत्री ने लगाया बेल का पौधा

रायपुर(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के आवासीय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपनी मां के सम्मान में वहां बेल का पौधा लगाया। विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सीताफल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने हनुमान फल और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नीम के पौधे का रोपण किया। विधानसभा आवासीय परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने रामफल, वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने महुआ, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आंवला, श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने हर्रा, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने लक्ष्मण फल, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने बेल तथा राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने पीपल का पौधा लगाया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विधायकों और राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी मां की स्मृति और सम्मान में पौधे लगाए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सीआईआई द्वारा आयोजित ग्रीन स्टील समिट 2024 में हुए शामिल

ग्रीन स्टील से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य के साथ ही खुलेंगे आर्थिक संभावनाओं के भी द्वार - मुख्यमंत्री

रायपुर(समय दर्शन)। क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निपटने के लिए पूरी दुनिया ग्रीन स्टील की ओर रुख कर रही है। स्टील के उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक होने के नाते ग्रीन स्टील छत्तीसगढ़ के लिए भी बड़ी संभावनाएं लेकर आया है। इससे न केवल कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में हमें मदद मिलेगी, अपितु इस क्षेत्र में नवीन पहल कर हम बड़ी आर्थिक उपलब्धियों की संभावनाओं का द्वार खोल सकते हैं। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित मेफेयर लेक रिसार्ट में आयोजित ग्रीन स्टील समिट 2024 में शामिल होने के अवसर पर कही। इस समिट का आयोजन भारतीय इस्पात उद्योग को कार्बन रहित बनाने के उद्देश्य से किया गया है। समिट में देश भर के प्रमुख उद्योगपति, व्यापारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में सीआईआई को आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश भारत का सबसे प्रमुख स्टील निर्माता है। हमारे यहां सार्वजनिक क्षेत्र के भिलाई स्टील प्लांट और नगरनार स्टील प्लांट जैसी बड़ी इकाईयां तो संचालित है ही, इसके साथ-साथ निजी क्षेत्र के अनेक छोटे-बड़े इस्पात संयंत्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र एशिया का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है और छत्तीसगढ़ में लोहे के विशाल भंडार हैं, जिनमें बैलाडीला, रावघाट और दल्लीराजहरा प्रमुख हैं। छत्तीसगढ़ का देश में कुल उत्पादित स्टील में लगभग 20 प्रतिशत तक का योगदान है और राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की भागीदारी 53.50 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने इस्पात उद्योग से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण के वैश्विक चिंताओं पर भी प्रकाश डाला और कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने का दृष्टिकोण सामने रखा है।

भाठागांव में खुले प्लाट में बकरे और भेड़ रखकर गंदगी, प्रदूषण फैलाने पर पर जुर्माना

रायपुर(समय दर्शन)। नगर पालिक निगम रायपुर में खुले प्लाट में बकरे और भेड़ रखकर गंदगी और प्रदूषण फैलाये जाने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए आयुक्त अबिनाश मिश्रा द्वारा दिये गए आदेशानुसार एवं जोन 5 जोन कमिश्नर विमल शर्मा के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक प्रेम मानिकपुरी, दुर्गेश पाल की उपस्थिति में जोन के तहत भक्त माता कर्मा वार्ड नम्बर 67 के ब्रम्हविद कॉलोनी भाठागांव में एक खुले प्लाट में बकरे और भेड़ रखकर गंदगी और प्रदूषण फैलाने की जनशिकायत निरीक्षण में स्थल पर सही पायी गयी. इस पर सम्बंधित व्यक्ति पर जोन 5 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने तत्काल 1000 रूपये का जुर्माना उन्हें भविष्य में पुनरावृति करना मिलने पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी देकर वसूला गया और जोन के स्तर पर प्राप्त जनशिकायत का त्वरित निदान किया गया.

भाठागांव के शहरी प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मरीजों को मिला सोनोग्राफी का लाभ, गर्भवतियों का भी उपचार

रायपुर(समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर भाठागांव के शहरी प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जहां मरीजों को सोनोग्राफी और अन्य बीमारी के संबंध में जांच कर उपचार किया गया। इन 3 दिनों में मेकाहारा के विभिन्न विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सको ने अपनी सेवाएं दी। पहले दिन कान, नाक और गला के साथ साथ नेत्र, रेडियोलोजी एवं बाल रोग विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दी, वहीं दूसरे दिन स्त्री रोग विशेषज्ञ के साथ रेडियोलोजी विभाग और अंतिम दिवस में मेडिसिन, त्वचा रोग, हड्डी रोग के साथ रेडियोलोजी विभाग के विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दी। इस शिविर में 650 से अधिक मरीजों की उपस्थिति दर्ज की और उन्हें नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी गई। इस शिविर मे निशुल्क चिकित्सकीय जांच, रक्त जांच एव सोनोग्राफी जांच की सेवाए प्रदान की गई, जिसमें लगभग 90 मरीजो की सोनोग्राफी की गई। शिविर में 100 से अधिक लाभार्थी स्त्री रोग एवं गर्भावस्था की जाँच के लिए उपस्थित हुए थे। वहीं सामान्य जांच के लिए करीब 300 लाभार्थी उपस्थित हुए। लगभग 60 लाभार्थी बाल रोग विभाग में गए, बाकि बचे हुए लाभार्थी नेत्र, नाक कान गला, हड्ड़ी एवं त्वचा की जांच के लिए उपस्थित हुए।

विपक्ष के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं जिससे सरकार को घेर सके : राजेश मूणत

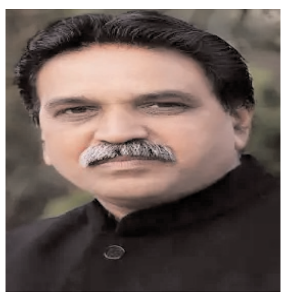

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे आज विधायक राजेश मूणत ने मीडिया से चर्चा करते हुए विपक्ष को मुद्दाविहीन बताया। श्री मूणत ने कहा कि ऐसा कोई मुद्दा विपक्ष के पास नहीं है, जिसको लेकर वो सरकार को घेर पाए। उन्होंने कहा कि सामान्य चर्चा को लेकर वे रोज स्थगन प्रस्ताव लाकर सुर्खियां बटोरने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस के विधानसभा घेराव को लेकर कहा कि आंदोलन किया, लेकिन विधानसभा के अंदर कोई तथ्यात्मक बात नहीं कर पाए, विधानसभा के अंदर ये स्थिति कि विपक्ष से ज्यादा तो सत्तापक्ष के लोग ही प्रश्न पूछ रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थगन में सिर्फ अपने क्षेत्र की रख रहे हो, स्थगन होता है पूरे छत्तीसगढ़ का, स्थगन होता है विषयवस्तु के ऊपर, लेकिन विपक्ष के पास कोई विषयवस्तु ही नहीं है। मलेरिया डायरिया को लेकर सरकार को जागरूक करने की बात है, वो ठीक है, लेकिन उसके ऊपर रिपोर्ट मांगों, ध्यानाकर्षण आएंगे, माध्यम तो हैं, लेकिन विपक्ष इन बातों से हटकर सिर्फ एक ही राग अलाप कर खाली सुर्खियां बटोरने का काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मानसून सत्र के चौथे दिन राजेश मूणत ने कौशल्या विहार के गजराज तालाब का सदन में मुद्दा उठाया, राजेश मूणत ने कहा की तालाब के आसपास की जमीन आमोद प्रमोद में इस्तेमाल होनी थी, लेकिन नियम के विरुद्ध जाकर आरडीए ने लैंड का यूज बदल दिया, और बिना टीएनसी से अनुमति लिए ले आउट कैसे बदला जा सकता है, वही इस सवाल पर मंत्री ओपी चौधरी ने जवाब देते हुए कहा की, मामले की जांच होगी, और दोषी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ करवाई भी होगी, साथ ही टेंडर शर्तो का परीक्षण भी कराएंगे, और तालाब के आसपास की जमीन का इस्तेमाल आमोद प्रमोद के रूप में ही होगा। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि कमल विहार की 1600 एकड़ जमीन जो गजराज तालाब के आस पास था उसका सौंदर्यीकरण करने की योजना आरडीए ने बनाई थी।

मास्टर प्लान के अनुसार यह भूखंड आमोद प्रमोद के लिए आरक्षित रखी गई थी परंतु पूर्ववर्ती सरकार ने इसका लैंड यूज बदले बिना इसका टेंडर निकालकर निजी कंपनी को नियमों के विपरित एम्यूजमेंट पार्क बनाने के लिए दे दिया जबकि नियम ये कहता है कि ऐसे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए भूखंड के दस्तावेज टाउन एंड कंट्री प्लानिंग में भेजकर उसका लैंड यूज बदला जाए। मूणत ने इसकी जांच की मांग करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से बगीचा में शुरू होगा अपेक्स बैंक की शाखा

रायपुर(समय दर्शन)। जशपुर जिले के बगीचा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल से जल्द ही अपेक्स बैंक की शाखा का शुभारंभ होगा। रायपुर स्थित रिजर्व बैंक ऑफइंडिया की क्षेत्रिय बैंक ने बगीचा में अपेक्स बैंक की शाखा शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी है। आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद जल्द ही अपेक्स बैंक बगीचा में काम करना प्रारंभ होगा। इस बैंक के शुरू हो जाने से बगीचा ब्लाक के किसानों को बड़ी सुविधा मिलेगी। अपेक्स बैंक का प्रयोग किसानों के समर्थन मूल्य में फसलों की खरीदी के भुगतान के लिए किया जाता है। इस बैंक में जमा होने वाली राशि को निकालने के लिए किसानों को जशपुर और कुनकुरी तक दौड़ लगाना पड़ता था। अपेक्स बैंक की शाखा खुल जाने किसानों को इस दौड़ से मुक्ति मिल जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार निर्णय ले रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किये गए वायदों को पूरा करते हुए पंजीकृत किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर, बोनस सहित धान का मूल्य किसानों के खाते में डाल चुकी है। इससे किसानों में प्रसन्नता व्याप्त है।

।। कार्यालय कलेक्टर, जिला दुर्ग (छ.ग.) ।।
//निविदा सूचना//

क्रमांक/4911 / प्रपत्र शाखा / 2024 — दुर्ग, दिनांक 08/07/2024

अधोहस्ताक्षरकर्ता की ओर से वर्ष 2024-25 के लिये जिला दुर्ग के अंतर्गत जिला कार्यालय, दुर्ग एवं अन्य शासकीय कार्यालयों के उपयोग के लिये लेखन व स्टेशनरी सामग्री कय किये जाने हेतु बाजार दर निर्धारण बाबत स्थानीय फर्मों से मोहरबंद निविदा आमंत्रित है। निविदा प्रपत्र कार्यालय कलेक्टर, दुर्ग के प्रपत्र शाखा से निर्धारित तिथि 29.07.2024 शाम 5.30 बजे तक कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है।

1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 29.07.2024 शाम 5.30 बजे तक
2. निविदा स्वीकार करने की अंतिम तिथि :- 30.07.2024 दोपहर 3.00 बजे तक
3. निविदा खोलने की अंतिम तिथि - 30.07.2024 शाम 4.00 बजे
4. निविदा अवधि :- वित्तीय वर्ष 2024-25 में निविदा लागू तिथि से दि. 31.03.2025 तक

शर्ते :-
1. निविदा की शर्ते एवं सामग्री कार्यालय में लगने वाली सम्पूर्ण लेखन / स्टेशनरी सामग्री की सूची कार्यालयीन समयावधि में प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा पत्र में सामग्रियों का दर सभी करो (वेट / जी.एस.टी.) सहित प्रस्तुत करें जो कि सभी करों का भुगतान फर्म को स्वयं करना होगा तथा यदि अनुमोदित दर पर प्रदाय में चुक अथवा विलम्ब किया गया तो आपका प्रतिभूति राशि में से आंशिक रूप से जप्त की जा सकती है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

डिप्टी कलेक्टर
वास्ते- कलेक्टर, दुर्ग

जी - 242501403/4

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 18.07.2024

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 07.08.2024 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क./सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
78/156510	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग पंडरिया के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	99.97
79/156511	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग खैरागढ़ के अंतर्गत बढईटोला एवं मुढीपार सेक्शन विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू एम. एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	99.98
80/156512	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 01 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में एम.ओ.डब्ल्यू. विशेष मरम्म्त एवं जमा का कार्य	129.97
81/156513	शासकीय शिवलाल राठी उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल बेमेतरा में कल्चरल हॉल का निर्माण कार्य	102.72
82/156514	साजा उपसंभाग के अंतर्गत्त विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई का कार्य	49.99
83/156516	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत आवसीय एवं गैर आवासीय भवनों में वार्षिक संधारण का कार्य	50.00
84/156517	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों एम.ओ.डब्ल्यू, विशेष मरम्मत एवं जमा का कार्य	29.95
85/156518	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिंग का कार्य	49.87
86/156520	उपसंभाग छुईखदान के अंतर्गत शास. अवासीय एवं गैर आवासीय भवनों वार्षिक मरम्मत कार्य	50.00
87/156521	उपसंभाग खैरागढ़ के अंतर्गत शास. आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों विशेष मरम्मत एवं लघु मूल गौण कार्य	30.00
88/156522	उपसंभाग खैरागढ़ के अंतर्गत शास. अवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य	79.95
89/156523	उपसंभाग खैरागढ़ के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिंग का कार्य	49.96
90/156524	उपसंभाग छुईखदान के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिग का कार्य	49.96

टीप
1. एन.आई.टी.क्रं 78 लोक निर्माण विभाग कवर्धा संभाग कवर्धा से संबंधित है, एन.आई.टी. क्रं 79, 86, 87, 88, 89 एवं 90 से लोक निर्माण विभाग, खैरागढ़ संभाग खैरागढ से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं 80 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है. एन.आई.टी.क्रं 81 एवं 82 लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं 83,84 एवं 85 लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग बालोद से संबंधित है।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल दुर्ग

G-242501348/3

संपादकीय

भाजपा के लिए खतरे की घंटी

देश के सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के आए नतीजों में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने भाजपा को करारा झटका देते हुए 10 सीटें जीत लीं। भाजपा दो सीट ही जीत सकी जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई। पश्चिम बंगाल की चार, हिमाचल प्रदेश की तीन, उत्तराखंड की दो, पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु की एक-एक सीट के लिए चुनाव हुआ था। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस, 'आप', टीएमसी और द्रमुक ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। नतीजों से इंडिया गठबंधन के घटक दल गद्गद् हैं, और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजरुन खरगे ने नतीजों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दावा कि लोगों ने भाजपा के अहंकार, कुशासन और नकारात्मक राजनीति को नकार दिया है और नतीजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की गिरती राजनीतिक साख का प्रमाण हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट करके इन नतीजों पर मतदाताओं का आभार जताया है। खास बात यह रही कि उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में जनता ने पाला बदलने वाले नेताओं को नकार दिया। उत्तराखंड की दोनों सीटें कांग्रेस ने जीत लीं। सर्वाधिक चर्चा प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनाथ सीट की है, जहां कांग्रेस अपनी सीट बरकरार रखने में सफल रही। यहां भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़े राजेंद्र सिंह भंडारी कांग्रेस के सिटिंग विधायक थे लेकिन पाला बदल कर भाजपा में जा मिले। भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बना दिया लेकिन कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला ने उन्हें पराजित कर दिया। हिमाचल प्रदेश में भी रोचक परिदृश्य उभरा है। देहरा सीट से मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की पत्नी कमलेश जीतीं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को हराया। प्रदेश में पहली बार होगा जब पति-पत्नी सदन में साथ होंगे। कांग्रेस के विधायक 40 हो गए हैं, जबकि भाजपा की 28 सीटें हैं। फरवरी में राज्य सभा चुनाव के वक्त विधायकों की बगावत से कांग्रेस की सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे, जो टल गया है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ के गढ़ माने जाने वाले छिंदवाड़ा क्षेत्र में भाजपा ने कांग्रेस को फिर झटका देते हुए अमरवाड़ा सीट जीत ली। पश्चिम बंगाल में दीदी का जलवा कायम है, और टीएमसी ने चारों सीटें जीत लीं। भाजपा से तीन सीटें छीनी हैं। बेशक, नतीजे भाजपा के लिए खतरे की घंटी हैं, जिनका उप्र में विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव तथा हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के आसन्न असेंबली चुनाव पर निश्चित असर दिखेगा।

किसान आंदोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

ललित गर्ग

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की

स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है।

विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा।

असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है। जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी की सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी। लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं। लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

यह मेरा मित्र बहुत साहसी

डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी हाल की रूस यात्रा में एक अनोखी टिप्पणी की जिसकी ओर मीडिया ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। रूस मं वैज्ञानिक केंद्र के भ्रमण के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन का कंधा थपथपाते हुए कहा, 'यह मेरा मित्र बहुत साहसी है।' इस टिप्पणी का संदर्भ पुतिन के पूर्व में किए गए साहसिक कार्यों से भी हो सकता है, लेकिन इसे यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। पुतिन ने यूक्रेन में सैनिक संगठन नाटो और अमेरिका की खुली चुनौती दी है। मोदी के 'साहसी मित्र' को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन युद्ध अपराधी करार देते हैं। इन हालात में यह स्वाभाविक है कि मोदी की सपल यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों की भृकुटी तनी हुई है। अमेरिका के व्हाइट हाउस, विदेश मंत्रालय और पेंटागन ने सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लेकिन नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध हाल के वर्षो में व्यापक बने हैं, लेकिन इनकी बुनियाद ज्यादा पुख्ता नहीं है। साथ ही, उन्होंने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता पर भी सवाल खड़ा किया। उनकी टिप्पणियों में भारत के लिए चेतावनी का तेवर था। यह एक संयोग है कि जिस समय मोदी की रूस यात्रा हुई उसी समय वाशिंगटन में सैन्य संगठन नाटो की शिखर वार्ता आयोजित खी। इसमें सदस्य देशों तथा जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे अमेरिकी सहयोगियों ने रूस विरोधी रणनीति को अंतिम रूप दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की न अपनी भड़ास निकालते हुए कहा, 'दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का नेता सबसे बड़े अपराधी के साथ गले मिल रहा है।' मोदी की रूस यात्रा का मीडिया कवरेज पूरी दुनिया में बड़े स्तर पर हुआ जो असाधारण है। पश्चिमी देशों के मीडिया ने एक स्वर से मोदी की यात्रा की आलोचना की तथा कहा कि भारत पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यूक्रेन के टेलीविजन ने तो भारत को रूस, ईरान, चीन और उत्तर कोरिया के शैतानी गठबंधन का सदस्य करार दिया। पश्चिमी देशों के विश्लेषक ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर रहे हैं लेकिन वे भी इस यात्रा से क्षुब्ध हैं। पहले से भारत विरोधी रवैया अपनाने वाले गुटों को तो मोदी के खिलाफ विषवमन करने का एक मौका मिल गया है। यह देखने वाली बात होगी कि पश्चिमी देशों की सरकारें आने वाले दिनों में भारत के साथ संबंधों पर क्या रवैया अपनाती हैं। इतना निश्चित है कि इन देशों में मोदी को अब पहले जैसा आदर, सत्कार और महत्त्व शायद ही मिले। अमेरिका और पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियां आने वाले दिनों में मोदी सरकार के प्रति कैसा रवैया अपनातीहैं, इस पर भी भारतीय एजेंसियों को नजर रखनी होगी। पाकिस्तान में इमरान खान के साथ जैसा हुआ उसे दोहराने की कोशिश हो सकती है लेकिन भारत और पाकिस्तान तथा नरेन्द्र मोदी और इमरान खान में जमीन आसमान का अंतर है। अमेरिका या किसी देश के लिए यह संभव नहीं है कि वह भारत को अस्थिर कर सके। यह जरूर है कि मोदी सरकार को कम बहुमत मिला है तथा देश में भी बहुत से अनसुलझे मुद्दे मौजूद हैं जिन्हें हवा दी जा सकती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने एनजीओ, थिंक टैंक्स और अन्य संस्थानों के जरिए पूरे देश में जाल फैला रखा है। इन्हें किसी निश्चित उद्देश्य के लिए सक्रिय किया जा सकता है। दुनिया के कई देशों में ऐसे उदाहरण हैं जब अमेरिका ने प्रतिकूल सरकारों को गिराने या अस्थिर बनाने की साजिश की है। भारत में शायद ही ऐसा हो लेकिन अपनी ओर से सतर्कता जरूरी है। इस यात्रा की उपलब्धियों के बारे में दोनों देशों ने सार्वजनिक रूप से ज्यादा ब्यौरा नहीं दिया है, लेकिन यह निश्चित है कि सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर जो सहमति बनी हैं, वे भविष्य में साकार होंगी।

जैसा खाओ अन्न, वैसा होय मन : प्रोफेसर अश्विनी अग्रवाल (टाइम साइंटिस्ट)

विचार मंथन : यह कहावत सदियों से भारतीय संस्कृति में प्रचलित है और आहार और मन के बीच गहरे संबंध को दर्शाती है । इसका सरल अर्थ है : हम जो खाते हैं, उसका सीधा प्रभाव हमारे मन पर पड़ता है। हमारा आहार न केवल हमारे शरीर को पोषण देता है बल्कि हमारे विचारों, भावनाओं और व्यवहार को भी प्रभावित करता है।

विचारों का सीधा संबंध मस्तिष्क से होता ही है यानि आपकी निर्णय लेने की क्षमता को आपके द्वारा लिए गए आहार में भोजन निर्धारित करता है।

बुद्धि जब भटकाए मन
रोगी हो जाय फिर तन
कुबुद्धि को सुबुद्धि बनाओ
मन के प्रति श्रद्धा जगाओ
तासीर युक्त आहार ही खाओ
तन को रोगी होने से बचाओ

इस कहावत के पीछे का विज्ञान :

मस्तिष्क का भोजन : मस्तिष्क शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है और उसे सही ढंग से काम करने के लिए पोषण की आवश्यकता होती है। हम जो खाते हैं, वह मस्तिष्क को ऊर्जा प्रदान करता है और उसके कार्य करने के तरीके को प्रभावित करता है।

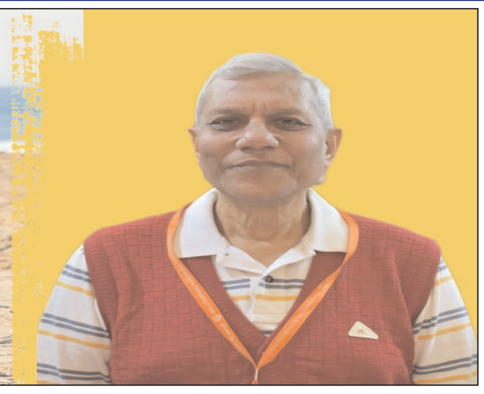

वैचारिक प्रदूषण सबसे अधिक नुकसान देता है शरीर को। और ये पैदा होता है उस आहार से जिसमें भोजन भू का जना नहीं होता, वा तासीर के अनुकूल भी नहीं होता।

रक्त शर्करा का स्तर : खाने से रक्त शर्करा का स्तर बढ़ता है, जो मूड और ऊर्जा के स्तर को प्रभावित करता है। अचानक रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव से चिड़चिड़ापन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो सकती है।

आंत और मस्तिष्क का संबंध : आंत को अक्सर दूसरा मस्तिष्क कहा जाता है क्योंकि इसमें लाखों तंत्रिका कोशिकाएं होती हैं जो मस्तिष्क के साथ संवाद करती हैं। आंत में रहने वाले बैक्टीरिया भी मस्तिष्क के कार्य को प्रभावित कर सकते हैं।

पोषक तत्वों का महत्व : विभिन्न पोषक तत्व मस्तिष्क के विभिन्न कार्यों को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, ओमेगा-3 फैटी एसिड मूड को बेहतर बनाने और स्मृति को बढ़ाने में मदद करते हैं, जबकि मैग्नीशियम तनाव को कम करने में मदद करता है। यानि तासीर आधारित भोजन नहीं होगा तो पोषक तत्व रक्त में पहुंच ही नहीं पाएंगे

आधुनिक विज्ञान भी इस कहावत की पुष्टि करता है : अध्ययनों से पता चला है कि तासीर आधारित आहार खाने से अवसाद, चिंता और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा कम हो सकता है । प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और शर्करा युक्त पेय पदार्थों का अधिक सेवन मूड स्विंग, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और नींद की समस्याओं से जुड़ा हुआ है। इसलिए, हम जो खाते हैं, उसका हमारे समग्र स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

स्वस्थ आहार के कुछ लाभ :

बेहतर मूड
तेज दिमाग
अधिक ऊर्जा
कम तनाव
बेहतर नींद

इसलिए, हमें अपने आहार पर ध्यान देना चाहिए और संतुलित प्राकृतिक आहार लेना चाहिए जो भू का जना हुआ हो, जिसकी तासीर पता करना होता है आसान जैसे घीया/लौकी जिसकी तासीर शीतल अग्नि की होती है और वो उष्ण अग्नि तासीर वाले इंसानों को नुकसान देगी ही।

पेरिस में हमारे पहलवान जीत पाएंगे सोना? अभी तक कांस्य व रजत पदक से ही करना पड़ा है संतोष

आदर्श प्रकाश सिंह

कुश्ती भारत का परंपरागत और एक जाना पहचाना खेल है। गांव मुहल्लों में आज भी नागपंचमी के दिन अखाड़ों में पहलवान उतरते हैं। ओलंपिक खेलों में हॉकी के बाद भारत को सबसे ज्यादा उम्मीद कुश्ती से रहती है। देश की आजादी के बाद जो ओलंपिक हुआ उसमें भारत को पहला व्यक्तिगत पदक कुश्ती में ही मिला था। हमारी हॉकी टीम को तो पदक मिल रहे थे लेकिन कोई अकेला खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम हो रहा था। आखिरकार 23 जुलाई 1952 वह ऐतिहासिक दिन था जब महाराष्ट्र के सतारा के पांच फुट छह इंच लंबे केडी जाधव ने हेलसिंकी ओलंपिक में कांस्य पदक जीत लिया। जाधव को ओलंपिक में भेजने के लिए गांव वालों ने चंदा एकत्र किया तो उनके कॉलेज के पूर्व प्राचार्य खारडिकर ने अपना घर गिरवी रख कर उन्हें 7000 रुपये उधार दिए थे। 72 साल पहले की यह घटना हर भारतवासी को रोमांच से भर देती है। जाधव को मरणोपरांत 2001 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

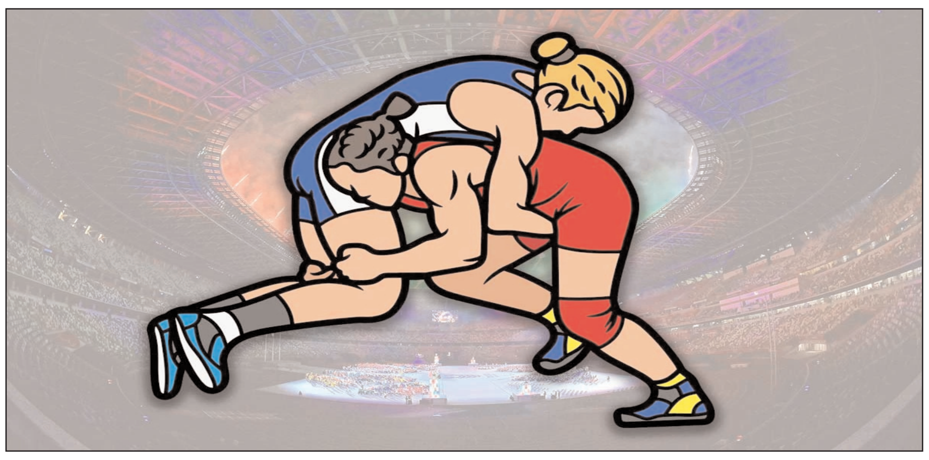

जाधव के बाद ओलंपिक में भारत को बहुत दिनों तक कोई पदक नहीं मिला। फिर 2008 के बीजिंग ओलंपिक से यह सिलसिला शुरू हुआ है जो अभी तक जारी है। तब सुशील कुमार ने देश को कांस्य पदक दिलाया था। लंदन ओलंपिक-2012 में योगेश्वर दत्त को कांस्य पदक मिला जबकि सुशील कुमार ने रजत पदक हासिल किया। पहली बार कुश्ती में भारत को दो पदक मिले। अगला ओलंपिक 2016 में ब्राजील के शहर रियो डी जनेरियो में आयोजित हुआ। इसमें महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कांस्य पदक जीता। एक विवाद की वजह से सुशील कुमार रियो नहीं जा सके। उनकी जगह नरसिंह यादव को भेजा गया लेकिन दुर्भाग्य से डोपिंग के केस में वह फंस गए। इस वजह से वह रिंग में उतरे ही नहीं।

टोक्यो- 2020 ओलंपिक के खेल 2021 में हुए। कुश्ती में रवि कुमार दहिया और बजरंग पूनिया ने देश की लाज रख ली। दहिया ने रजत और बजरंग ने कांस्य पदक जीत कर देश का मान बढ़ाया। ओलंपिक में हमारे पहलवानों को पदक तो मिल रहे थे लेकिन अभी तक किसी ने भी स्वर्ण पदक नहीं जीता है। पेरिस में यह आस पूरी होगी कि नहीं, यह देखने की बात है। पिछले कुछ साल में दिल्ली में पदक विजेता पहलवानों ने भारतीय कुश्ती संघ के खिलाफ लंबा आंदोलन चला कर माहौल खराब कर दिया। उनके निशाने पर संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह थे। आखिरकार सिंह को पद छोड़ना पड़ा।

अब आइए पेरिस ओलंपिक 2024 की बात करते हैं। इसमें हिस्सा लेने के लिए भारत के छह पहलवान पेरिस गए हैं। इनमें पांच तो बेटियां यानी महिला पहलवान हैं। पुरुषों में केवल एक पहलवान अमन सेहरावत 57 किलोग्राम भार वर्ग में अपना भाग्य आजमाएंगे। वह पहली बार ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर अपना हुनर दिखाने को तैयार हैं। पिछले 24 साल में यह पहला मौका होगा जब सिर्फएक भारतीय पुरुष पहलवान ओलंपिक में चुनौती पेश करेगा। जाहिर है, पहलवानों और भारतीय कुश्ती महासंघ के बीच करीब डेढ़ साल तक चली खींचतान के चलते इस खेल को काफी नुकसान हुआ है। इससे पहले केवल दो बार वर्ष 2000 में गुरविंदर सिंह और 1996 में पप्पू यादव ही ऐसे अकेले पहलवान थे जो ओलंपिक में खेलने गए थे। जहां तक महिला पहलवानों की बात है तो 29 वर्षीया विनेश फोगाट को सबसे बड़ी उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है। वह पहले भी ओलंपिक में जा चुकी हैं लेकिन पदक हासिल नहीं कर सकी हैं। दो बार क्वार्टर फाइनल तक जाकर वह आगे नहीं बढ़ पाईं। कामनवेल्थ गेम्स में विनेश लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली अकेली भारतीय रेसलर हैं। भारतीय दल में विनेश के बाद 22 साल की अंशु मलिक को भी ओलंपिक में खेलने का अनुभव है। टोक्यो में पहले दौर में हार के बाद अंशु को रेपचेज में पदक जीतने का मौका मिला था लेकिन वह हार गई थी। अंतिम पंघाल एक और महिला पहलवान हैं जो पहली बार ओलंपिक में खेलेंगी। वह दो बार जूनियर विश्व चैम्पियन बनने वाली देश की पहली महिला पहलवान हैं। पहली बार रिकॉर्ड पांच भारतीय महिला पहलवान ओलंपिक में चुनौती पेश करेंगी। रोहतक की रीतिका हुड्डा 76 किग्रा भार वर्ग में उतरने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान होंगी। उन्होंने पिछले साल एशियन चैम्पियनशिप में 68 किग्रा में रजत पदक जीता था। रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली साक्षी मलिक की शागिर्द निशा दहिया अपने गुरु की राह पर चल कर पेरिस में पदक जीतना चाहेंगी।

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

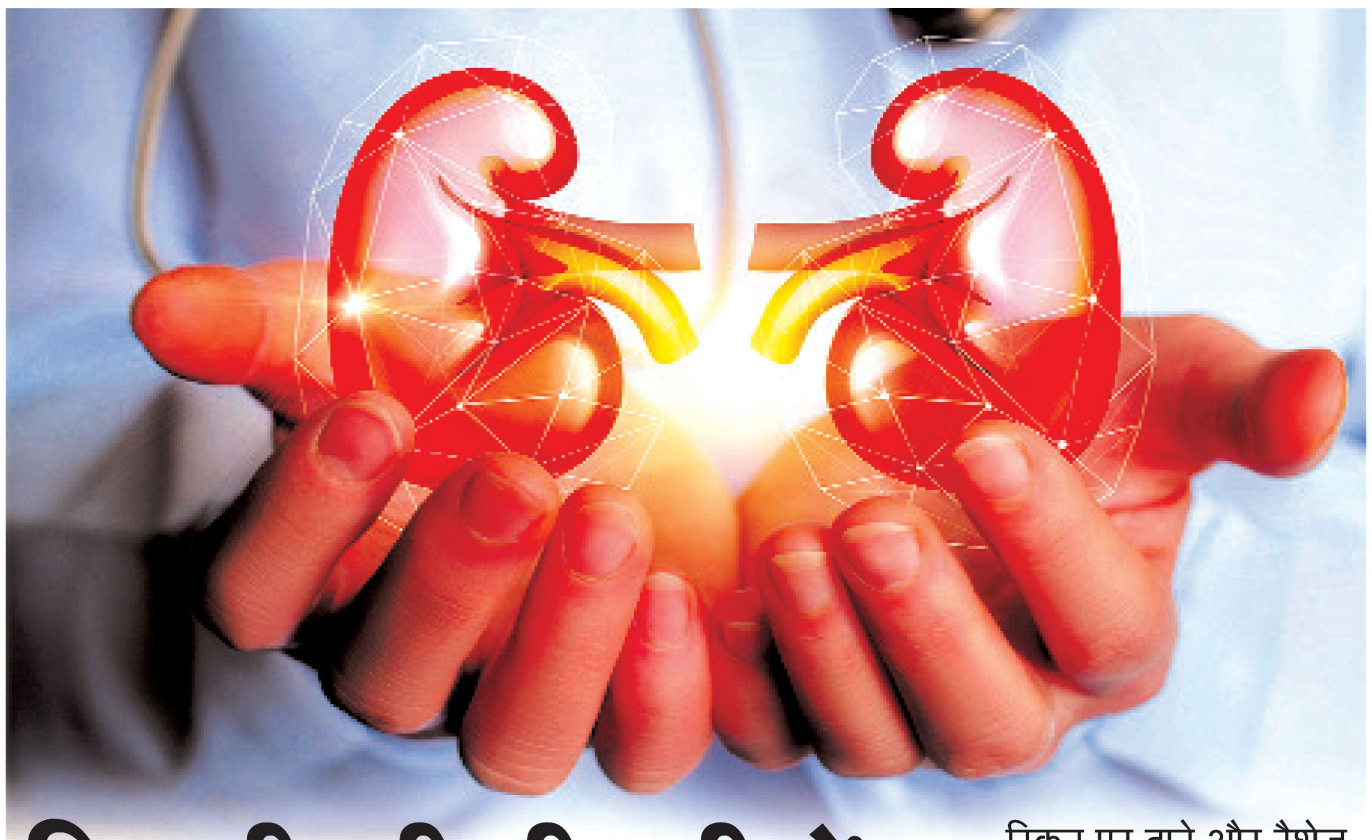

किडनी की बीमारी में आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्षजैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जररूत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्षकॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को बल्ड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

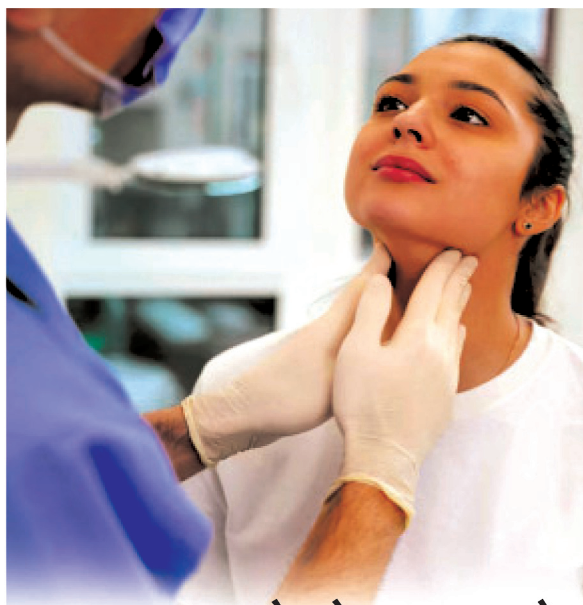

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है ।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है हो सकता है इस बीमारी का संकेत

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है,लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को श्वतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

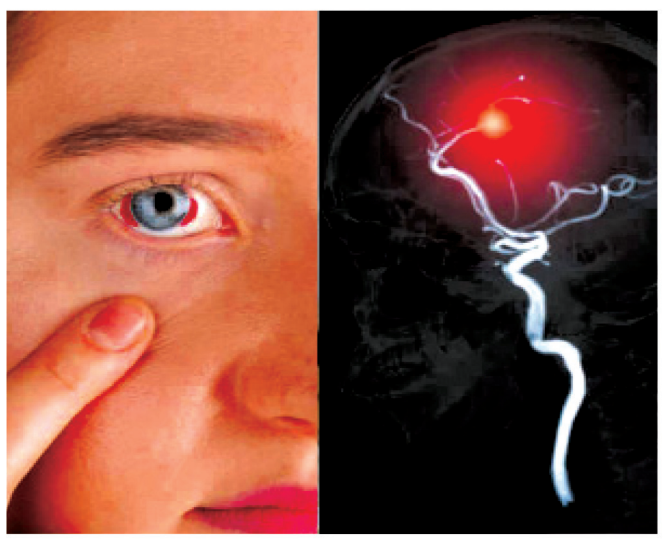

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग इंडिया ने नए एसी लॉन्च किए हैं जो ठंडे पानी पर आधारित हैं और इनमें विंडफ्री™ और 360 डिग्री ब्लेडलेस तकनीक है

नईदिल्ली। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नए विंडफ्री एयर कंडीशनर लॉन्च किए हैं। ये एसी चिल्ड वॉटर-आधारित कैसे टयूनिट में आते हैं और विंडफ्री और 360 डिग्री ब्लेडलेस तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। ये नई तकनीक उपभोक्ताओं को सीधे ठंडे हवा के झोंके के बिना बेहतर कूलिंग प्रदान करती है। चिल्ड वॉटर आधारित कैसेट यूनिट्स उपभोक्ताओं को अपने मनचाहे तापमान सेट करने की सुविधा देती हैं। विंडफ्री कूलिंग टेक्नोलॉजी 0.15 मीटर/ सेकंड की हवा की गति से 15,000 छोटे-छोटे एयर होल्स के जरिए धीरे-धीरे ठंडी हवा फैलाती है। एडवांस एयर फ्लो सिस्टम चुपचाप काम करते हुए कमरों को तेजी से ठंडा करता है और केवल 24 डीबी (A) की बहुत हल्की आवाज उत्पन्न करता है, जो इसे शयन कक्षों, अध्ययन कक्षों और बच्चों के कमरों के लिए आदर्श बनाता है। सैमसंग इंडिया के एसएसी बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर श्री विपिन अग्रवाल ने कहा, सैमसंग का लक्ष्य अपने अत्याधुनिक उत्पादों से उपभोक्ताओं को सुविधा और टिकाऊपन प्रदान करना है। चिल्ड वॉटर फैन कॉइल यूनिट बिना शोर किए तेजी से बेहतरीन कूलिंग देते हैं। ये यूनिट बड़े स्थानों के लिए सबसे अच्छी हैं और हमारा प्रयास एयरफ्लो सिस्टम को और भी उन्नत, आरामदायक और सुलभ बनाना है।

अकुम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड का आइपीओ 30 जुलाई, 2024 को खुलेगा

नईदिल्ली। अकुम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (AKUMS या कंपनी), का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 को खुलेगा। यह एक अगस्त को बंद होगा। इस ऑफर में कंपनी द्वारा इतनी संख्या में इक्विटी शेयर (प्रत्येक का अंकित मूल्य 2 रुपये) का नया निर्गम शामिल है, जिसका कुल मूल्य 680 करोड़ रुपये है (फ्रेश इश्यू) और कंपनी के कुछ मौजूदा शेयरधारकों (बिक्री करने वाले शेयरधारक) द्वारा 17,330,435 इक्विटी शेयर (पेश किए गए शेयर) का ऑफर फॉर सेल शामिल है। ऑफर फॉर सेल में संजीव जैन द्वारा 1,512,000 इक्विटी शेयर तक, संदीप जैन द्वारा 1,512,000 तक इक्विटी शेयर (सामूहिक रूप से, प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारक) और रूबी क्यूसी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (रूबी क्यूसी या इन्वेस्टर सेलिंग शेयरधारक) (विक्रय शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऐसा प्रस्ताव, बिक्री के लिए प्रस्ताव) द्वारा 14,306,435 तक इक्विटी शेयर शामिल हैं। रूबी क्यूसी को क्वाड्रिया कैपिटल द्वारा समर्थित है, जो एशिया में एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा केंद्रित निजी इक्विटी फंड है। इस ऑफर में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए 15 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का आरक्षण शामिल है (कर्मचारी आरक्षण भाग)। एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ सोमवार, 29 जुलाई, 2024 को खुलेगा और इसी दिन बंद होगा। आम निवेशकों के लिए इश्यू मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 को खुलेगा और गुरुवार, 1 अगस्त, 2024 को बंद होगा।

मॉडल कौशल ऋण योजना एक सुधार और उदारीकरण है, जैसा कि जनता चाहती थी: जयंत चौधरी

नई दिल्ली : श्री जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने संशोधित मॉडल कौशल ऋण योजना का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य युवाओं के लिए कौशल पाठ्यक्रमों, खासतौर पर ऊँचे शुल्क वाले आधुनिक पाठ्यक्रमों को सुलभ बनाना है, ताकि वे बिना आर्थिक बोझ के इन पाठ्यक्रमों का लाभ उठा सकें। यह योजना भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कर उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। योजना का उद्देश्य मेधावी छात्रों के लिए आधुनिक कौशल पाठ्यक्रमों को सुलभ बनाना है, जो आर्थिक बाधाओं के चलते इन पाठ्यक्रमों का लाभ नहीं उठा पाते। इस तरह उम्मीदवारों के लिए उद्योग जगत के अनुकूल भावी कौशल प्राप्त करना आसान हो जाएगा। कौशल ऋण बाज़ार में एनबीएफसी एवं माइक्रो फाइनैंस संस्थानों की भूमिका को देखते हुए, एमएसडीई ने वित्त मत्रांलय के अनुमोदन से, इस योजना में उल्लेखनीय संशोधन किए हैं। अब एनबीएफसी, माइक्रो फाइनैंस संस्थान और छोटे फाइनैंस बैंक भी ऋण दे सकेंगे, जो दिए गए ऋण की 75 फीसदी राशि तक डिफॉल्ट पर गारंटी द्वारा समर्थित होंगे। इसके अलावा क्रेडिट गारंटी कवर के लिए व्यक्तिगत ऋण का अधिकतम टिकट साइज़ बढ़ाकर रु 7.50 लाख कर दिया गया है। जबकि पहले इसकी सीमा रु 1.50 लाख थी। कौशल भवन में उद्घाटन समारोह के दौरान श्री जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा, ''मॉडल कौशल ऋण योजना का उद्घाटन हमारे कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के लिए बड़ी उपलब्धि है।

पीडीएस भंडारण में जिले को राज्य में मिला प्रथम स्थान, बिलाईगढ़ का रहा विशेष योगदान

बिलाईगढ़ (समय दर्शन)- सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित जुलाई माह में सार्वजनिक वितरण प्राणी के खाद्यान्न भंडारण में प्रथम स्थान हासिल किया है जिसमे बिलाईगढ़ में स्थित सार्वजनिक वितरण प्रणाली का विशेष योगदान रहा। बता दे की छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन शाखा बिलाईगढ़ में दो माह पहले ही ब्रांच मैनेजर राजेंद्र कुमार भार्गव ने अपना कार्यभार संभाला है जिसके बाद जिले को प्रथम स्थान हासिल हुए यह जिले के लिए हर्ष की बात है । इस माह में कर्मचारियों के 15 दिनों के हड़ताल में चले जाने के बाद भी बिलाईगढ़ क्षेत्र के सभी राशन दुकानों में सही समय में राशन सामग्री उपलब्ध कराई गई है । जिसके लिए बिलाईगढ़ वेयर हाउसिंग प्रशंसा के पात्र है।

बता दे की सार्वजनिक वितरण प्राणी में खाद्य का भंडारण समय से नहीं होने के चलते 2 माह पहले लोगो को राशन दुकानों में सही समय में राशन नहीं मिल पा रहा था जिसकी शिकायत लगातार ग्रामीणों के द्वारा की जा रही थी अब उनको सही समय में राशन उपलब्ध कराया जा रहा है छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन शाखा बिलाईगढ़ के ब्रांच मैनेजर राजेंद्र कुमार भार्गव ने बताया की बिलाईगढ़ के गोदामों में वैज्ञानिक पद्धति से खाद्यान्न का भंडारण किया जा रहा है । ताकि सभी वितरण केंद्रों में सही समय में राशन सामग्री उपलब्ध कराया जा सके और लोगो तक सही समय में राशन सामग्री पहुंचाया जा सके। जिले को प्रथम स्थान पहुंचने के लिए जिले के कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देशन में खाद्य अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला प्रबंधक सूर्यकांत शुक्ला, प्रभारी सुनील देवांगन, ब्रांच मैनेजर राजेंद्र भार्गव एवं टीम का विशेष योगदान रहा।

आंगनबाड़ी केंद्र चल रहा था लंबे समय से गड़बड़ी का खेल, जांच के बाद हुआ मामला उजागर

शंकर लहरे/ सरायपाली(समय दर्शन)। सरायपाली महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना के सेक्टर (रूढ़ा) छुईपाली अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कलेंडा के आश्रित ग्राम जोगीदादार में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में भारी लापरवाही और अनियमितता बरतने का मामला उजागर हुआ है।

ज्ञात हो कि उक्त आंगनबाड़ी केंद्र की लिखित शिकायत नृपनिधी पाण्डे (पत्रकार) ने संबंधित विभाग के परियोजना अधिकारी को 26 जून 2024 को किया था। शिकायतकर्ता ने पांच बिंदुओं पर जांच करने की मांग की थी, शिकायत होने की जानकारी मिलते ही आनन फानन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पति द्वारा षडयंत्र पूर्वक शिकायतकर्ता को गलत ठहराने की नीयत से अपने निजी व्यक्तियों का हस्ताक्षर करवाया गया लेकिन उसका एक ना चल पाया, वहीं मामले में शिकायत के आधार पर परियोजना अधिकारी ने 19 जुलाई 2024 को जांच के आदेश संबंधित पर्यवेक्षक को दिया वहीं जांच अधिकारी के रूप में पहुंची महिला पर्यवेक्षक ने शिकायतकर्ता के समक्ष पांच बिंदुओं में से चार बिंदुओं पर जांच किया गया जिसमे छात्र छात्राओं की उपस्थिति पंजी और खाद्यान्न पंजी की मिलान किया गया जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा शातिराना तरीके से उपस्थिति पंजी में काटफिट/ छेड़खानी करके तारीखों की सुधार करना पाया गया यही नहीं बल्कि खाद्यान्न पंजी में जिस तारीख को शासकीय अवकाश दिया गया था उस दिन भी खाद्यान्न वितरण पंजी में आबंटन किया जाना पाया गया वही गर्भवती महिलाओं एवं शिशुवती महिलाओं को मिलने वाले रेडी टू ईट फूड की जब पंजी मिलान किया गया तब चौकाने वाले मामला प्रकाश में आया उक्त पंजी का मिलान किया गया तब जनवरी 2023 से लेकर जून 2024 तक कुल 95 पैकेट रेडी टू ईट फूड के पैकेट कम पाया गया वही उक्त पंजी में हितग्राहियों की हस्ताक्षर लगभग सभी फर्जी होना पाया गया। शासन से मिलने वाले राशन सामग्रियों की बात करें तो सुबह बच्चों को नाश्ते का मेनू के हिसाब से प्रति बच्चों को रोजाना सुबह 10:30 सोमवार से लेकर शनिवार तक प्रति बच्चों को 50 ग्राम के हिसाब से रेडी टू ईट फूड का हलवा और पोहा देना होता है तो वही गरम भोजन की बात करें तो सोमवार से लेकर शनिवार तक प्रति बच्चों को रोजाना चावल 30 ग्राम, मिक्स दाल 20 ग्राम, रसेदार सब्जी सोयाबीन बड़ी चना 15 ग्राम, मूनगाभाजी लाल भाजी पालक भाजी 50ग्राम, रिफाइंड तेल अचार पापड़ सलाद 60 ग्राम, और गुड़ 50 ग्राम के हिसाब से गरम भोजन के मेन्यू में देने का प्रावधान है लेकिन कभी किसी बच्चे को गरम भोजन के मेन्यू के हिसाब से खाना नहीं दिया जाना पाया गया वही बात करें खाद्यान्न पंजी की तो खाद्यान्न पंजी में 2 क्विंटल 54 किलो 360 ग्राम चावल कम पाया गया वहीं शिकायतकर्ता को आंगनबाड़ी केंद्र को मिली सामग्रियों की सूची प्रदान नहीं करने के कारण एक बिंदु पर जांच नहीं हो सका। जिस पर संबंधित अधिकारी ने सामग्री की सूची उपलब्ध करवा कर शिकायतकर्ता को पुन: एक बिंदु पर जांच करने का आश्वासन दिया गया है।

वही कुल मिलाकर देखा जाए तो सरकार की मनसा अनुरूप कार्य न होकर आंगनबाड़ी केंद्र जोगीदादर में शासन के नियम को दरकिनार कर मनमानी तरीके से आंगनवाड़ी केंद्र को संचालित किया जा रहा है और बच्चों के हक को हनन करके अपना निजी स्वार्थ हेतु आंगनबाड़ी केंद्र में लगातार भ्रष्टाचार किया जा रहा था।

वहीं आपको बता दें कि 2023 से 2024 तक का जांच करने पर इतनी गड़बड़ी उजागर हुआ है तो आप सोचिए कि जब से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की पदस्थापना 2007 से हुई तब से अगर इन सभी बिंदुओं पर जांच किया जाएगा तो आने वाले समय में और भी चौंकाने वाले भ्रष्टाचार होने का आशंका जताया जा रहा है वहीं अब देखने वाली बात होगी कि आंगनबाड़ी केंद्र में गड़बड़ी और छोटे मासूम बच्चों के निवाला छीलने वाले कार्यकर्ता के खिलाफ संबंधित विभाग क्या कार्यवाही कर पाता है।

विधायक चातुरी नंद ने मांगी फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले कर्मचारियों की जानकारी

मंत्री ने बताया 230 शासकीय सेवकों के जाति प्रमाण पत्र पाए गए है फर्जी

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने मानसून सत्र के दौरान प्रदेश के विभिन्न शासकीय विभागों में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर सेवारत कर्मचारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी आदिम जाति विकास विभाग के मंत्री रामविचार नेताम से मांगी। विधायक चातुरी नंद के तारांकित सवाल के लिखित जवाब में आदिम जाति विकास विभाग मंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत 230 शासकीय सेवकों के जाति प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए है।

विधानसभा में एक अन्य सदस्य के सवाल के जवाब में मंत्री ने लिखित जवाब में बताया कि फर्जी जाति प्रमाण के आधार पर शासन के विभिन्न विभागों में पदस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध 452 मामलों में जांच प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है एवं 72 प्रकरणों में जांच प्रक्रिया प्रचलन में है। जिन शिकायतों में जांच प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है उन्हें पदमुक्त करने एवं नियमानुसार एफआईआर दर्ज कराने सहित वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश छानबीन समिति द्वारा संबंधित नियोक्ता विभाग आप दिए गए है। इस संबंध में मीडिया को जानकारी देते हुए विधायक नंद ने कहा कि प्रदेशभर में बड़ी मात्रा में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर शासकीय विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले बुलंद है। फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वालों के खिलाफ शासन प्रशासन को ठोस कार्रवाई कर आरक्षित वर्ग के हितों की रक्षा करनी चाहिए।

केंद्रीय बजट को भाजपा ने सराहा तो कांग्रेस ने निराशानजक बताया

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट प्रस्तुत किया गया है। इस बजट को जहां भाजपा ने तारीफ के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं, वहीं कांग्रेस को इस बजट में कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। अत: इस केंद्रीय बजट को भाजपा ने सराहा है, तो कांग्रेस ने निराशाजनक कहा है।

नवाचार और विकास को प्रगति देने वाला बजट - सांसद संतोष पांडेय

कवर्धा। राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की बजट को विकसित भारत के संकल्प को गति मिलने वाला एवं बजट से नवाचार, अनुसन्धान को बढ़ावा मिलने वाला बजट कहा है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 25000 ग्रामीण बस्तियों को पक्की सड़कें और कृषि क्षेत्र में 1.52 लाख करोड़ के प्रावधान यह अब तक का सबसे बड़ा कृषि बजट को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल तक बढ़ाने से मोदी सरकार की किसानो के प्रति गहरी संवेदनाओ को प्रदर्शित करता है। कैंसर की जीवन रक्षक दवाओं पर सीमा शुक्ल कम कर कैंसर मरीजों को इलाज में बड़ी राहत दी है। सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि अंतरिम बजट प्रस्तुत करते समय वित्त मंत्री ने चार प्रमुख बिंदु पर ध्यान केन्द्रित किया था गरीब, महिलाये, युवा, अन्नदाता जिसे आज प्रस्तुत बजट में चरितार्थ करते हुए उन्होंने सभी वर्गों का समावेश किया है। विकसित भारत को समर्पित बजट के लिए सांसद पाण्डेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीता रमण को साधुवाद दिया है।

नगर पंचायत पिपरिया के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र कुंभकार ने कहा कि बजट का जो हाल है वह देश का बेहाल कर देगा। प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्यकाल में गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी की महामारी से पहले ही देशवासी त्रस्त हैं। वहीं रही सही कसर इस बजट ने निकाल दिया है। इस बजट की भाजपाई सराहना तो जरूर कर रहे हैं। लेकिन वे भी जानते हैं कि यह झूठ उन्हें जनता के सामने बहुत महंगा पड़ने वाला है। अगले चुनाव में मुंह की खाने वाली भाजपा को अब शायद कोई मरहम लगाने वाला भी नहीं मिलेगा, क्योंकि यह बजट मजदूर, गरीब, किसान व मध्यम वर्गीय परिवार की पीड़ा और अधिक बढ़ा दिया है। वे महंगाई से त्रस्त हैं। सभी सामानों, सब्जी, आदि की कीमत आसमान छू रहा है, जिसमे उनका जीना मुश्किल हो गया है।

जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष एवं जिला सदस्य रामकुमार भट्ट ने कहा कि यह बजट गांव गरीब किसान महिला नवजवान समेत सभी वर्गों का समग्र विकास के संकल्प का रोडमेप है। इस बजट से उत्पादकता रोजगार से समग्र मानव संसाधन का विकास सामाजिक न्याय द्वारा समग्र विकास और उर्जा सुरक्षा अधोसंरचना का निर्माण होगा। किसानों के जमीन का बेहतर कव्हरेज के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग से पारदर्शिता बढ़ेगी। श्री बजट ने कहा कि बजट के माध्यम से एक करोड़ युवाओं को 5 साल में 500 कंपनी में इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। युवाओं को कारोबार में उन्नति देने वाला यह ऐतिहासिक बजट है।

कांग्रेस के शहर अध्यक्ष एवं पार्षद अपनी सरकार को बचाने के लिए 74 हजार करोड़ रुपए बिहार और आंध्र को डर से देने का काम इन्होने किया है। सारे देश की जनता उम्मीद से इन्हें देख रही थी कि बजट में हमारे लिए, हमारे प्रदेश के लिए भी कुछ न कुछ बड़ा होगा। सभी को धोखा मिला है। इनकम टैक्स रिटर्न में बड़ी छूट की दरकार थी, वह भी पूरी नहीं हुई। चार करोड़ हर साल रोजगार की बात आई है। इसका मतलब डबल झूठ बोलने वाली पार्टी भाजपा बन गई है। मध्यम वर्ग, गरीब के लिए बजट में कुछ नहीं होने के कारण उन्हें भी घोर निराशा हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अशोक साहू ने कहा कि मोदी सरकार का यह बजट बहुत शानदार बजट है। इस बजट की जितनी प्रशंसा की जाय, कम होगी। सारे वर्गों की न केवल इस बजट में चिंता की गई है, बल्कि उसे दूर करने का ठोस उपाय भी किया गया है। इससे पूरा देश आने वाले समय में तेजी से उन्नति की की दिशा में आगे बढ़ेगा। युवाओं, महिलाओं, किसानों, बुजुर्गों सहित सभी वर्गों की आवश्यकता और बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखा गया है और पूरी भी होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश जहां विश्व में एक बड़ी शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाते हुए विश्व गुरू की दिशा में कदम बढा रहा है, वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में छत्तीसगढ़ प्रदेश विकास के नए आयाम गढ़ रहा है।

जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस की मुखरनेत्री सीमा अगम अनंत ने कहा कि मोदी सरकार की बजट में आम लोगो के हितों पर कुठाराघात किया गया है। यह बजट निराशा जनक और लोगों को छलने वाला है। देश के गरीब, मजदूर, किसान, महिलाओं किसी का भी कोई ध्यान नहीं रखा गया है। कम आय वाली परिवार की महिलाओं को घर चलाना मुश्किल हो गया है। महंगाई की मार झेलते झेलते उनकी कमर ही टूट गई है। वही स्थिति बेरोजगार युवाओं और खाद बीज की परेशानी के साथ महंगाई की मार झेल रहे किसानों की भी है। इन सबकी चिंता छोड़कर मोदी सरकार को केवल अपनी कुर्सी की चिंता ही दिखाई दी, जो इस बजट से स्पष्ट हो गया है। अपनी कुर्सी को सुरक्षित रखने के लिए आम जनता के हिस्सा में जाने वाली राशि को अपने सहयोगियों को खुश करने के लिए रेवड़ी की तरह बांट दिया गया है। जबकि इससे भाजपा शासित राज्य भी बुरी तरह प्रभावित है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनीराम साहू ने केंद्रीय बजट को अर्थव्यवस्था के हर पहलू को छूने वाला बताया है। उन्होने कहा कि बजट के प्रावधानों में ऐसा मिश्रण कम ही देखा जाता है जहां एक तरफ गरीबी कम करने के उपाय हो तो दूसरी तरफ मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत भी दी गई हो। किसानों को मदद के साथ साथ, युवाओं को 4 करोड़ नए रोजगार के लिए 2 लाख करोड़ का प्रावधान ऐतिहासिक है। महिलाओं के लिए 3 लाख करोड़, आधारभूत संरचना के लिए 11 लाख करोड़, गांव के लिए 2 लाख 63 हजार करोड़ का प्रावधान, एक लाख से कम सैलरी वाले लोगों को आर्थिक मदद जैसे प्रावधान देशवासियों के सपनो को साकार करेंगे। श्री साहू ने कहा कि एक तरफ बजट के आकार और सरकारी खर्च को बढ़ाकर लोगों की जेब में पैसे डालने का काम किया है। वहीं आधारभूत संरचना को मजबूत करते हुए देश में परिवहन लागत को कम करने के ठोस उपाय किए है। कुल मिलाकर यह बजट देश के नागरिकों और देश के सुनहरे भविष्य का बजट है।

कृषि उपज मंडी कवर्धा के पूर्व उपाध्यक्ष चोवा साहू ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी रेवड़ियां बाँट सरकार बचाने वाला बजट है। इसमें देश और देशवासियों की तरक्की, खुशहाली, किसानो, मजदूरों, गरीबों, बेरोजगारों, महिलाओं का कहीं कल्याण दिखाई नहीं दे रहा है। यह बजट मोदी सरकार सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने के लिए लेकर आई है। यहां तक की मोदी सरकार ने स्वयं अपनी पार्टी शासित राज्यों की भी बजट में अनदेखी की है जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल हैं। जो भाजपा के भेदभाव पूर्ण रवैए को दर्शाता है। जनता सब देख रही है।

जनपद पंचायत पंडरिया के सभापति एवं भाजपा नेता अश्विनी यदु ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय की भावना से ओतप्रोत है। इस बजट में सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया है। गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं बुजुर्ग आदि सभी के लिए आवश्यकता के अनुसार कुछ न कुछ देने की व्यवस्था की गई है। बजट में आंध्र और बिहार को अधिक राशि देने पर हो हल्ला किया जा रहा है। यह केवल लिफाफा का उपरी भाग है, जिसे विपक्ष समझ कर भी नासमझ बन रहा है और जनता को गुमराह कर रहा है। जबकि इन राज्यों के साथ अन्य सभी राज्यों को प्रधानमंत्री सड़क, प्रधानमंत्री आवास, फसल बीमा व अन्य योजनाओं का लाभ समान रूप से मिलेगा। प्रधानमंत्री सबका साथ सबका विकास की भावना से बजट का लाभ सबके लिए होगा।

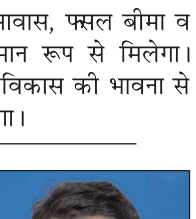

कांग्रेस कांग्रेस के किसान नेता रवि चंद्रवंशी ने मोदी सरकार के बजट को गरीब, किसान और मध्यमवर्गीय विरोधी बजट कहा है। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता पिछले 3 लोकसभा चुनावों में लगातार 90 प्रतिशत भाजपा सांसद चुनकर मोदी सरकार बनाने में अपना पूरा योगदान देती है, लेकिन जब छत्तीसगढ़ के विकास की बारी आती है तब हर साल बजट में छत्तीसगढ़ की जनता को अपेक्षाकृत 9 प्रतिशत भी विकास हेतु राशि नहीं मिलती। आज का बजट पूर्ण रूप से कार्पोरेट जगत के लिए लाया हुआ बजट है, जबकि हमेशा की तरह इस बार भी हमारे छत्तीसगढ़ के किसान मजदूरों और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए बजट में कुछ नहीं है, जिससे उन्हें निराश होना पड़ा है।

छत्तीसगढ़ समर्थन मूल्य धान खरीदी कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ अपनी 2 सूत्रीय मांग को लेकर करेंगे 29 से 31 जुलाई तक 3 दिवसीय धरना प्रदर्शन

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ समर्थन मूल्य धान खरीदी केंद्रों में कार्यरत कम्प्यूटर आपरेटर भी हड़ताल में जाने का निर्णय लिए है।आपरेटरों ने अपनी दो सूत्रीय मांग पूरी नहीं होने पर 5 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का विज्ञप्ति जारी किए।ज्ञात हो कि धान खरीदी कार्य अभी शुरू भी नहीं हुआ है और इसे लेकर शासन-प्रशासन की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। शासन कि महत्वपूर्ण योजना होंगी प्रभावित पैक्स कम्प्यूटरीकरण, प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना, किसान धान पंजीयन,खाद बीज वितरण,24 जुलाई बुधवार को छत्तीसगढ़ राज्य समर्थन मूल्य धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर संघ ने अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश स्तरीय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया।

प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत मोहरे ने बताया कि हमारी 2 सूत्रीय मांगो को संघ द्वारा मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्रियों को,प्रदेश में खाद्य सचिव,सहकारिता सचिव, पंजीयक सहकारी संस्थाएं,प्रबंध संचालक मार्कफेड, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक,संयुक्त पंजीयक व नोडल अधिकारी पैक्स कम्प्यूटरीकरण,एवं

मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी बैंक रायपुर को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया है। इस आंदोलन में प्रदेश के धान उपार्जन केन्द्रों में कुल 2739 डाटा एंट्री ऑपरेटर शामिल होंगे।जिसमे 17 वर्षो से कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर सहकारी समिति के धान खरीदी केंद्रों में अपनी सेवाये दे रहे हैं।हमारे हितों की ओर शासन प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है।हमारी दो सूत्रीय मांग वर्तमान नवीन वित्त निर्देश 23/2024 के अनुसार संविदा वेतनमान में 27 प्रतिशत वृद्धि कर 23350 रूपये मासिक संविदा वेतनमान प्रदाय किया जाना,बोनस,भत्ता एवं भविष्य निधि लागू किया जाए।

पिछले खरीफ वर्ष का 7 माह का लंबित वेतन भुगतान तत्काल किया जाए।डाटा एंट्री ऑपरेटर का वेतन भुगतान सीधे उनके बैंक खातो में किया जाए,17 वर्षो से कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटरो को प्रथम नियुक्ति दिनांक से नियम बनाकर एक निश्चित विभाग में संविलियन कर नियमित किये जाने की मांग रखा गया है।वही ज्ञापन देने में विनोद जायसवाल,पवन निर्मलकर,मीनाक्षी यादव, मोहन डहरिया,विद्याशंकर यादव,संतोष साहू,लता पटेल, प्रकाश अधिकारी,राजकुमारी साहू,अजय चंद्राकर, पुरुषोत्तम जाटवर प्रकाश यादव,योगेंद्र रजक,नरेंद्र सिन्हा,नरेश साहू,दुलार साहू,आशीष रजक,संदीप यादव, अनुज यादव,मुरली मनोहर दुबे,राकेश दुबे, पुरुषोत्तम बरेठ,सतरूपा साहू,प्रमिला मानिकपुरी,सना अली, ओमप्रकाश साहू हरिकिशन नायक,पितेश दास महंत एवं पुरे प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खबर-खास

बंधवा मजदूरी करवाने वाले पूर्व सरपंच ने ली 30 वर्षी महेंद्र चक्रधारी की जान

गेंददास मानिकपुरी(सिटी रिपोर्टर)

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुंद जिला के पिथौरा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत भूरकोनी आश्रित ग्राम जगदल्ला निवासी महेन्द्र चक्रधारी उम्र 30 वर्ष पिता साधुराम चक्रधारी जो कि काम करने पूर्व सरपंच संजय अग्रवाल के यहाँ दुकान मे काम करने गया था लेकिन किराना दुकान मे काम ना करवा के उनके गोडाउन में लगे हुए एलवेस्टर शीट और लोहे की एलवेस्टर कैंची को दीवार से काट के अलग करने का कार्य दिया गया था। चक्रधारी के परिवार वालो के बताए अनुसार उनको यह काम आता नहीं था और पूर्व सरपंच के यहां ये व्यक्ति दुकान में कार्य करते थे लेकिन इसे कुछ दूसरा ही कार्य कराया गया और सरपंच की गलती की वजह से आज दो बच्चे अपने पिता से दूर हो गए,उनके मां-बाप अपने बच्चों से दूर हो गया जो काम उनको आता ही नहीं था बगैर सेफ्टी सुविधा का कराया गया। यह हादसा कहो या हत्या देखकर ऐसा लगता है कि कहीं ना कहीं बंधवा मजदूरी करवाने वाले आज भी है । पुलिस मामले की जांच में जुट हुई है हालांकि अभी घटना किसके लापरवाही से हुई है इसका पता अभी तक नहीं चल सका है। रविवार शुबह हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई,घटना के बाद तत्काल महेंद्र को बागबाहरा अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया,बताया जा रहा है कि वहां दीवाल मे लगे एलवेस्टर कैची को काटने के दौरान निचे गिरने की वजह से मौत हुई है,अभी पुलिस के अधिकारी घटना की वजह पता लगाने में जुटे हैं।

भारी वर्षा से सुरंगी नाला पुलिया के ऊपर से पानी 2-3 फिट बह रही

सरायपाली : शंकर लहरे (समय दर्शन)। ब्लॉक मुख्यालय सरायपाली से लगभग 22 किलोमिटर दूर कुसमीसरार और बलौदा के मध्य सुरंगी नाला है द्य इस क्षेत्र में बीती कुछ दिनो से वर्षा हो रही है जिससे अंचल के नदी,तालाब,नहर में जल भराव हो गया है, कुछ नहरों में तो पुलिया के ऊपर से पानी गुजर रहा है। कुसमीसरार से बलौदा के मध्य सुरंगी नाला इसी तरह का जल भराव देखा गया है और पुलिया के ऊपर से 2-3 फिट पानी बह रहा है द्य बीते तीन,चार दिनों से लगातार रूक-रूक कर वर्षा हो रही है और बारिश इस अंचल के खेत में जल भर गए है वैसे तालाबों और छोटी नालों/नहरों में काफी मात्रा में जल का भराव हो गया है द्य कुछ क्षेत्रों के तो छोटे नहरों/नालो में पूरी तरह लबालब जल भर चुका है जिससे पुलिया भी नजर नहीं आ रहा है। लेकिन कुछ लोग पानी पुलिया के ऊपर बहने के बावजूद खतरा उठाकर लोग पुलिया को पार कर रहे हैं जिससे किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। उस तरफ के समाज सेवक तोसगांव निवासी मोहित रात्रे का लोगो से निवेदन है की इस क्षेत्र के लोगो को सचेत रहने की आवश्यकता है एवं किसी भी व्यक्ति को बहते हुए नाला पुलिया के ऊपर से आने-जाने पर रोक लगाई जाए।

हेनल मेहता बनी सनातन सेना की राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा

दिल्ली - सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन सेना निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी क्रम में आज संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत सिंह जी के दिशा निर्देश पर प्रसिद्ध समाजसेविका हेनल मेहता जी को राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा बनाया गया। हेनल जी राजनीति से भी जुड़ी हुई हैं। सनातन सेना सनातन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य करती है । सनातन सेना संपूर्ण भारत भर में जितने प्राचीन मंदिरों का पुनः जीवनद्वार के सकल्प के साथ कार्य कर रही है। देश के पिछड़े इलाकों में संस्था द्वारा सनातन धर्म के बारे में जागरूक किया जा रहा है। जिससे धर्म परिवर्तन पर रोक लगाई जा सके।

27 जुलाई से नगर पालिका क्षेत्र में लगेगा जन समस्या निवारण शिविर

नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फूमेमन ने की लोगो से शिविर में शामिल होने अपनी राशन,पानी,बिजली, पेंशन सहित अन्य समस्याओं को रखने की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर पालिका गरियाबंद क्षेत्र अंर्तगत 27 जुलाई से 10 अगस्त विभिन्न वार्डों में जनसमस्या शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन सहित सभी जनप्रतिनिधि एवम पालिका के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित होकर लोगो की समस्याओं को सुनेंगे और मौके पर ही उनका निराकरण करेंगे।नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने समस्त नगर वासियों से समस्त नगर वासियों से जन समस्या शिविर में शामिल होकर अपनी समस्याओं एवं मांगों के त्वरित निराकरण के लिए शिविर में शामिल होने की अपील की है।ज्ञात हो कि नगरी निकाय चुनाव के पहले राज्य शासन ने प्रदेश के सभी निकायों में जन समस्या शिविर पखवाड़ा आयोजन करने के निर्देश दिए हैं।इसके तहत नगर के प्रत्येक वार्ड में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन किया जायेगा। शिविर में नगरीय निकाय के सभी विभाग के अधिकारी उपस्थित होकर समस्या का निराकरण यथा संभव मौके पर ही करेंगे। इस शिविर में करदाताओं को भी करों का भुगतान वार्ड में ही करने की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने बताया कि जिले के नगर पालिका परिषद क्षेत्र में वार्डवार शिविर के आयोजन के लिए तैयारी हो गई हैं।मुनादी भी कराई जा रही है।उन्होंने बताया कि 27 जुलाई से 7 अगस्त तक 15 वार्डो के लिए 6 शिविर लगाए जाएंगे। प्रत्येक शिविर में तीन वार्डो के लोगों की समस्या का निराकरण किया जाएगा। शिविर में नगर पालिका सभी पार्षद भी आमजन की समस्या सुनेंगे। शिवर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। ये समस्या सुनी जाएगी,,,,,नगर पालिका अध्यक्ष मेमन जे बताया कि शिविर में आम नागरिकों की स्थानीय नागरिक समस्याएं जैसे नल कलेक्शन,राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता,वृद्धावस्था पेंशन,सामाजिक सुरक्षा पेंशन,जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र,भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां,अनापत्ति प्रमाण पत्र,नामांतरण स्वरोजगार के प्रकरण तथा कई विविध छोट-छोटे कार्य होते है। जिनका निराकरण शीघ्र अपेक्षित होता है साथ ही नल लीकेज,नलों में पानी न आना,नालियों एवं गलियों की सफाई,सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, कचरे की सफाई व परिवहन टूटी-फूटी नालियों की मरम्मत,सड़कों के गडढ़े पाटना,स्ट्रीट लाईट के मरकरी, बल्ब,ट्यूब का बंद रहना आदि समस्याएं सुनी जाएगी एवम आवेदन लिए जाएंगे। इन समस्याओं का निराकरण मौके पर ही शीघ्रता से किये जाने पर नगर पालिका के प्रति आमजन के सदभाव बढ़ेगा, वही स्थानीय प्रशासन में लंबित शिकायतों का निराकरण भी शीघ्र हो सकेगा ।

उक्त शिविर 27 जुलाई को नगर के वार्ड क्रमांक एक, दो व तीन को आजाद चौक नवोदय मंच।29 जुलाई को नगर के वार्ड क्रमांक चार व पांच,सांस्कृतिक भवन सिविल लाइन,31 जुलाई को नगर के वार्ड क्रमांक छः, सात और आठ पौनी पसरी सेड जनपद के बाजू। 3 अगस्त को नगर के वार्ड क्रमांक नव व दस डॉ भीम राव अंबेडकर भवन,5 अगस्त को नगर के वार्ड क्रमांक ग्यारह, बारह और तेरह सुभाष चौक,युगल किशोर सिन्हा के घर पास और 7 अगस्त को नगर के वार्ड क्रमांक चौदह ओर पंद्रह शीतला मंदिर प्रांगण में लगाया जाएगा।

विधायक चातुरी नंद ने विधानसभा में उठाया राशन वितरण में गड़बड़ी का मुद्दा

खाद्य विभाग को प्राप्त हुई है राशन वितरण में गड़बड़ी की 42 शिकायतें

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में राशन वितरण में गड़बड़ी की मिल रही शिकायतों का मुद्दा क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान उठाया।

विधायक चातुरी नंद के तारांकित सवाल के जवाब में खाद्य मंत्री ने लिखित में जानकारी देते हुए बताया कि सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वर्ष 2021-22 से जून

2024 की स्थिति में 42 ग्राम पंचायतों में राशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायतें प्राप्त हुई है।

इस संबंध में मीडिया को जानकारी देते हुए विधायक नंद ने बताया कि क्षेत्र में लगातार राशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायतें प्राप्त हो रही है। मंत्री जी ने अपने जवाब में अधिकतर शिकायतों को सही बताया है परंतु कार्रवाई एसडीएम के समक्ष विचाराधीन है। विधायक नंद ने लंबे अवधि से जांच पूरी होने के बाद कार्रवाई नहीं होने के लिए शासन प्रशासन को दोषी ठहराया और दोषी सेल्समैन और दुकान संचालकों को बचाने का आरोप लगाया।

बता दें कि पिछले दिनों अमरकोट, जंगलबेड़ा, जोगनीपाली, जम्हारी समेत कई गांवों में राशन वितरण में अनियमितता की शिकायतें ग्रामीणों ने की थी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर
नोटिस

राजस्व प्रकरण कंमांक अ/6
वर्ष 2023-2024
प्रति,
श्री अमर सिंह पिता बिसेलाल वार्ड नं. 16 पुरानी बस्ती कुरूद भिलाई

आवेदक श्रीमती प्रतिमा संदीप पारधी आ.संदीप पारधी साकिन कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.न.46 रा.नि.म.दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 980/1 रकबा 0.011 हे.को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से दिनांक 12/11/2021 को आपसे क्रय किया था, जिसका नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तत किया गया है, जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। अपरोक्त प्रकरण में आपकी उपस्थिति के लिए दिनांक 31/7/2024 नियत किया गया है। उपरोक्त तिथि को उपस्थित नही होने पर एक पक्षीय कार्यवाही किया जावेगा ।

जारी दिनांक 19/7/2024

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग
-: ईश्तहार :-

रा0प्र0क0 / अ-27/ वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुशाल सिंह पिता स्व0 मेहत्तर लाल एवं अन्य 05 ग्राम बासीन प0ह0नं0 11 स्थित भूमि ख0नं0 1081 रकबा 1.2300 हे0भूमि आवेदकगण के नाम पर सहखातेदार के रूप मे दर्ज हैं। उक्त भूमि में भूमिस्वामीगण आपसी सहमति के आधार पर खाताविभाजन कर पृथक पृथक ऋ्ष्णपुस्तिका प्राप्त किये जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अत उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 01.08.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.07.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील, भिलाई
जगर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग
उदघोषणा

पं.नं. 202407100400204/
अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रेशम कौर आ0/पति सर्वजीत सिंह निवासी कादम्बरी नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम कातुलबोड प0ह0नं0 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 3/717 रकबा 0.0075 हे0 802.5 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ0ग0भू0रा0सं0 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है जिसके सबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वंय अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग
उदघोषणा

पं.नं. 202407100400203/
अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका जगप्रीत सिंह लूथरा आ0/पति स्व0 एच.एस. लूथरा निवासी कादम्बरी नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम कातुलबोड प0ह0नं0 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 3/719 रकबा 0.0084 हे0 900 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ0ग0भू0रा0सं0 की थारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है जिसके सबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वंय अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग
उदघोषणा

प.नं. 202407100400205/
अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रंजीत कौर सोनी आ0/पति इन्द्रपाल सिंह सोनी निवासी कादम्बरी नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम कातुलबोड प.ह.नं0 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 3/718 रकबा 0.0075 हे0 802.5 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ0ग0भू0रा0सं0 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है जिसके सबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वंय अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) दुर्ग, जिला दुर्ग

एसएंडए लॉ ऑफसिज़ (S&A Law Offices) ने रायपुर के युवा प्रतिभाओं को दिया मंच

रायपुरः एसएंडए लॉ ऑफसिज़ (S&A Law Offices) ने अपने 2024 कैंपस हायरिंग ड्राइव का सफलतापूर्वक समापन किया है, जिसमें देश भर के प्रतिष्ठित लॉ कॉलेजों से 13 होनहार छात्रों को नियुक्त किया गया है। ये नए एसोसिएट्स विवाद समाधान, कॉर्पोरेट लॉ और मुकदमेबाजी जैसे अलग-अलग कानूनी क्षेत्रों में शामिल होंगे, जो एसएंडए लॉ ऑफसिज़ (S&A Law Offices) की नए लॉ प्रोफेशनल्स को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता हैं। इन प्रतिभाशाली युवाओं का चयन देश के प्रमुख लॉ कॉलेजों जैसे नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी ऑफ़ ओडिशा, गुजरात नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नैशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी भोपाल, सिम्बायोसिस लॉ स्कूल पुणे, हिदायतुल्लाह नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी रायपुर, राजीव गांधी नैशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ पंजाब और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली से किया गया। इस कैंपस हायरिंग ड्राइवपर बोलते हुए, एसएंडए लॉ ऑफसिज़ (S&A Law Offices) की साझा प्रबंधक पार्टनर (जॉइंट मैनेजिंग पार्टनर) गुनीता पाहवा ने कहाः हमें इन होनहार छात्रों को अपनी टीम में शामिल करके बहुत खुशी हो रही है। इस साल की हायरिंग से पता चलता है कि हम कानून के क्षेत्र के भविष्य में निवेश कर रहे हैं। हमें यकीन है कि ये नए साथी नए विचार लाएंगे और हमारी कंपनी की सफ्लता में मदद करेंगे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.)

नजूल अधिकारी, दुर्ग का प्र.क्र.
202407103500015
अ 20 (3)/2023-24

उदघोषणा

आवेदक राजा ओसवाल पिता स्व. प्रेमचंद जैन उम्र 53 वर्ष निवासी- 47 महावीर कालोनी दुर्ग जिला-दुर्ग द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मस्जिदपारा (सोनकर पारा दुर्ग) दुर्ग स्थित भूमि नजूल शीट 07 अ प्लाट नं. 11/1 रकबा 258.50 व. फु को विक्रेता श्रीमती सावित्री देवी तिवारी ध.प. स्व. प्रेमशंकर तिवारी से रजिस्टर्ड पंजीकृत बयनामा दिनांक 30.03.1998 को क्रय किया गया है जिसके आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदित भूमि से विक्रेता/संस्था का नाम विलोपित कर आवेदक/क्रेता के नाम पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो वह अपना आपत्ति/ दावा प्रकरण में 15 दिवस के भीतर न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग के समक्ष स्वतः अथवा अपने प्लीडर के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/07/24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय में मुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

नजूल अधिकारी,
दुर्ग

।। न्यायालय तहसीलदार दुर्ग, जिला दुर्ग ।।
//उद्घोषणा//

रा0प्र0क0/202407100400279/
अ-6 (अ)/ वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कि आवेदक बेदूराम हिरवानी पिता बलराम हिरवानी उम्र-50 वर्ष निवासी खैरवाही तहसील व जिला बालोद के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 228/53 का टुकड़ा 228/129 रकबा 0.002 हे0 जो कि आवेदक के नाम पर भूमिस्वामी हक में राजस्व अभिलेख में दर्ज है जिसका ऋ्ष्णपुस्तिका प्राप्त कर लिया गया है किन्तु आनलाईन में सहखातेदार का नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। जिसे सुधार कर रिकार्ड अद्यतन किये जाने बाबत आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेजों को संलग्न कर इस न्यायालय में जांच हेतु प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 05/08/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/08/2024 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

जारी दिनांक-18/07/2024
सुनवाई दिनांक -05/08/2024

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ. ग.)

कार्यालय जोन क्रमांक-3 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग)
:- निविदा आमंत्रण सूचना :-

क्रमांक-23 / न.पा.नि. जोन-03 / 2024-25 — रायपुर, दिनांक 26.07.2024

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है :-

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवदेन तिथि - 12.08.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
02. निविदा प्राप्त करने की तिथि - 13.08.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
03. निविदा जमा करने की तिथि - 21.08.2024 कार्यालयीन समय 4:00 बजे तक
04. निविदा खोलने की तिथि - 21.08.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस. ओ. आर. का विवरण	समयावधि	मद
01.	जोन क्रमांक-03 कार्यालय हेतु 03 अकुशल श्रमिक (सुरक्षा गार्ड) कलेक्टर महोदय के निर्धारित दर पर उपलब्ध कराये जाने का कार्य।	4.56	5000/-	750/-	लेबर एवं पसारा लायसेंस	प्रपत्र 'स' कलेक्टर महोदय के निर्धारित दर पर	12 माह	वेतन मद
02.	मदर टेरेसा वार्ड क्र. 48 अंतर्गत महाराणा प्रताप उद्यान एवं इंदिरा बाल उद्यान में संधारण कार्य हेतु कलेक्टर महोदय के निर्धारित दर पर 10 अकुशल श्रमिक उपलब्ध कराये जाने का कार्य।	15.21	15500/-	750/-	लेबर लायसेंस	प्रपत्र 'स' कलेक्टर महोदय के निर्धारित दर पर	12 माह	वेतन मद

1. निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2. कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में जोन क्रमांक 03 नगर पालिक निगम, रायपुर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3. उक्त निविदा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट **nagarnigamraipur.nic.in** में देखी जा सकती है।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-03
नगर पालिक निगम, रायपुर

संक्षिप्त-खबर

बाढ़ से क्षतिग्रस्त पाईपलाइन को नगर पालिका नल जल विभाग ने किया पुनः स्थापित

किरंदुल (समय दर्शन)। अतिवृष्टि के कारण दिनांक 21जुलाई को एनएमडीसी 11 बी खदान क्षेत्र में भरा पानी खदान में बने बंड को तोड़ते हुए आगे बढ़ा खदान में भरा पानी लोह चूर्ण गिट्टी पत्थर के साथ बहते हुए किरंदुल नगर में बाढ़ के रूप में पहुंचा जिस कारण नगर रामाबूटी स्थित नगर पालिका का मुख्य सप्लाई पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो गया जिस कारण रामपुर कैंप,बंगाली कैंप, धरमपुर कैंप, भट्टीपारा, मेन मार्केट एवं अन्य वार्डो में पानी नहीं आ रहा है रामाबूटी के आसपास स्थल पर अत्यधिक पानी का बहाव होने के कारण कड़ी मसक्कत के बाद दिनांक 25/7/24 को मरम्मत पूर्ण किया गया उस पानी की गुणवत्ता की जाँच हेतु कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग दंतेवाड़ा को भेजा गया वर्तमान में उक्त पानी को पीना छोड़ अन्य घरेलु उपयोग हेतु नगर वासियो को कहाँ गया है पानी शुद्ध होने के बाद मुनादी के माध्यम से पानी पीने के उपयोग हेतु नागरिकों को सूचित किया जायेगा तब तक पानी टेंकर एवं फायर ब्रिगेड के माध्यम से वार्डो में पानी सप्लाई जारी रहेगा

ठेलका के शासकीय स्कूल में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

साजा (समय दर्शन)। 25वां कारगिल विजय दिवस शा.उ.मा.विद्या ठेलका,साजा 26 जुलाई को 37 छ.ग. बटालियन एनसीसी दुर्ग के मार्गदर्शन में 25 वां कारगिल विजय दिवस(सिल्वर जुबली) कार्यक्रम हर्सोल्लास के साथ मनाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कंपनी सूबेदार मेजर दीपक महंत, विशेष अथिति हवलदार भऊ साहेब हडे 37 बटालियन दुर्ग,कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य टी एल साहू रहे, मुख्य अथिति दीपक महत एवं हवलदार हडे जी ने कारगिल युद्ध मे शहिद हमारे नौजवान सैनिकों के वीरता और शौर्य की गाथा के बारे में बताया। प्राचार्य टी एल साहू ने भी एनसीसी कैडेट्स को आगे आकर देश की सेवा करने की बात कही कार्यक्रम में संस्था सभी शिक्षक एम एल मार्कण्डेय,एस के सेन,एस के मिश्रा,एस के वैष्णव,अविनाश ठाकुर, रविराज, मनहर, कमलकांत, रक्षा दुबे, वैशाली वर्मा, एकता राजपूत एवं सभी छात्र छात्राये उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन एनसीसी केयर टेकर धर्मपाल वर्मा के द्वारा किया गया।

केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के साथ हुआ धोखा : संजय साहू

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के संजय साहू 'छत्तीसगढ़िया' ने बजट में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि महज दो राज्यों अपने सहयोगी दलों को उपकृत करने के लिए और अपने साथ बनाए रखने के लिए यह बजट जारी किया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी सरकार बचानी है, इसलिए बिहार और आंध्र प्रदेश का जिक्र बजट में बार-बार हुआ, इन दो राज्यों के लिए खजाना खोल दिया गया, लेकिन शेष भारत को उसके हाल पर छोड़ दिया गया। हिमाचल में आई आपदा के लिए 1 साल बाद राहत पैकेज की बात हुई, लेकिन कितनी राहत मिलेगी इसका विवरण तक नहीं है। इस बजट में अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ गांव, गरीब, किसान, मजदूर व मध्यम वर्ग को भी झुनझुना पकड़ा दिया गया है। हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को जवाब तो देना होगा, यह बजट आम लोगों को कोई राहत देने वाला नहीं लग रहा है और ना ही महंगाई से गरीबों को छुटकारा दिला सकेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत को विश्व शक्ति बनाने की बात करते हैं, लेकिन बजट में इसके लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं किया गया है। बिहार और आंध्र प्रदेश की दो क्षेत्रीय पार्टियों के सामने विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दंभ भरने वाली भारतीय जनता पार्टी क्षेत्रीय दलों के आगे नतमस्तक होती हुई दिख रही है। छत्तीसगढ़ियों के लिए यह सबक का विषय है कि छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय दल क्यों नहीं होना चाहिए, महंगाई बेरोजगारी राष्ट्र झेलेगा। पेट्रोल-डीजल सहित पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाने की बात को सरकार ने अनदेखा किया है। देशभर के आम नागरिक टैक्स चुका कर देश का खजाना भरते रहेंगे और केंद्र सरकार को समर्थन देने वाली दो राज्यों आंध्र प्रदेश और बिहार के विकास के लिए खर्च होता रहेगा।

पिथौरा से कसडोल, गिरौदपुरी मार्ग हुआ बंद, नदी नाले उफान पर

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा क्षेत्र में विगत तीन दिनों से हो रहे लगातार बारिश से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वहीं नदी-नाले उफान पर हैं। विकास खण्ड मुख्यालय पिथौरा से कसडोल एवं गिरौदपुरी मार्ग बंद हो चुका है।

तीन दिनों की बारिश ने वनांचल ग्रामों की तस्वीर बदल दी है। छोटे मोटे नदी नाले उफान पर हैं । सभी जगह जलमग्न की स्थिति बनी हुई है,उपर से कीचड़ युक्त रास्ते मे लोगों को चलने फिरने मे हो रही परेशानी । चूंकि पिथौरा क्षेत्र का व्यावसायिक केन्द्र है,यहाँ से

कसडोल, शिवरीनारायण एवं गिरौदपुरी के अलावा पिथौरा बया मार्ग भारी बारिश के बाद नदियों के उफान पर होने के कारण पूरी तरह बंद है। इस मार्ग के कन्तरा नाला, खरखरी रपटा एवं बड घाट नाला के ऊपर पानी बहने के कारण वाहन पार नहीं हो पा रही है,, वहीं बार अभ्यारण्य जाने का मार्ग भी कीचड़ से सराबोर होने के कारण आवागमन पूरी तरह बन्द है। बहरहाल शुक्रवार को समाचार लिखे जाने तक बारिश पहले से कम है। बारिश रुकने के बाद ही मार्ग खुलने की संभावना है।

सूखे की मार झेलते छत्तीसगढ़ के अनेक इलाके में अब लगातार तीन दिन हुए बारीस से किसानों के चेहरे मे चमक आयी है। संभवतः अब खेती किसानी के कार्य मे गति आएगी । लगभग सप्ताह भर पहले हल्की बारिश में जिन किसानों ने धान की बोआई की थी, उनके फसल अब लहलहा उठेंगे। अच्छी बारीस से अब रोपाई करने के लिए सही समय है। बारिश के ठहरते ही अन्नदाता अब कृषि के उचित समय को नही चूकेंगे । छत्तीसगढ़ मे चल रहे यलो आद्र मौसम ज्यादा मेहरबान हुआ तब तो बारीस से जन जीवन ब्यस्त और नदी नालों के जल स्तर बढ सकते हैं। अन्यथा कृषि कार्य मे अब तेजी आएगी ।

एक साल तक बच्चो की तरह महिलाओं ने पौधे की देखरेख किया, जल जीवन मिशन के ठेकदार ने बिना सूचना के पौधो पर ही चला दी जेसीबी, ट्री गार्ड को भी तोड़ दिया

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। विकास खंड के ग्राम रानितराई में महिला समूह द्वारा करीब 400 बड़े बड़े पौधे रोपे गए थे। जिस पर जल जीवन मिशन के तहत काम करने वाले ठेकेदार ने करीब 200 पौधे को नष्ट कर दिया। इधर एक तरह एक पेड़ मां के नाम पर पौधा लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है वही दुसरी तरफवही मां बहनों के द्वारा लगाए गए पौधे को नष्ट किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक साल पहले श्रेष्ठ क्लस्टर संगठन द्वारा रानितराई में शमशान घाट रोड पर दोनो छोर में करीब चार सौ पौधे मनरेगा के तहत लगाए गए थे। महिला संगठन द्वारा ट्री गार्ड भी लगाया था। एक साल तक पोधो की देख रेख किया। भीषण गर्मी में पौधो में पानी भी डाला गया। अभी कुछ दिन पहले ही जल जीवन मिशन के द्वारा इसी मार्ग पर पाइप लाइन बिछाने का

काम शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि ठेकेदार द्वारा पाइप लाइन बिछाने के लिए गड्डे खोदे गए। जिसमे करीब 200 पौधे को नुकसान हुआ। ट्री गार्ड भी टूट गए। जानकारी मिली है की पाइप लाइन बिछाने के लिए गड्डे खोदने के पहले जानकारी भी नही दिया गया। जानकारी दिया जाता तो पोधे को अलग जगह सिफ्ट किया जा सकता था। महिला समूह को इससे काफी नुकसान भी हुआ है।

सरपंच ने दी एम डी को जानकारी

रानितराई के सरपंच निर्मल जैन ने बताया की पाइप लाइन के लिए गड्डे खोदने के कारण पौधो को नुकसान हुआ है। साथ ही चेकर टाइल्स भी लगा था उसे भी उखाड़ा गया है। इसकी जानकारी जल जीवन मिशन के एम डी को दिया गया। जिसके बाद एम डी द्वारा जानकारी दिया गया की अन्य स्थान पर जितने पौधे का नुकसान हुआ है उसका दस गुना पौधा लगाया जाएगा। वही चेकर टाइल्स को भी लगा लगाया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की बसना मे रहेगी धूम-नरेन्द्र एवं कुंजराम यादव

बसना (समय दर्शन)। झेरिया यादव समाज बसना तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र यादव एवं सामाजिक प्रमुख कुंजराम यादव ने संयुक्त रूप से उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष झेरिया यादव समाज के बैनर तले बसना में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किये जाने प्रस्तावित है।

यादव कुल तिलक भगवान श्री कृष्ण जी के जन्मोत्सव को महोत्सव के रूप में आयोजित कर बसना के श्री रामजानकी मंदिर परिसर में यादव समाज द्वारा भव्य रूप से मनाया जायेगा।

झेरिया यादव समाज द्वारा शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें अनेंकानेक कलाकृतियों,झांकी के साथ पारंपारिक राऊत नाचा सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति का आयोजन होगा । उक्त कार्यक्रम में महिलाओं की अग्रणी भूमिका रहेगी, इस महापर्व पर स्थानीय लोगों सहित आस-पास एवं दूरदराज से लगभग 08 से 10 हजार लोगों की उपस्थिति रहेगी एवं फुलझर राज बसना-सरायपाली समाज के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रहेगी।समस्त आगंतुकों के लिए भोजन व्यवस्था रहेगी । संध्या कालीन सत्र में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम (आर्केस्ट्रा) की व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर बसना तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र यादव एवं कुंजराम यादव ने उक्त कार्यक्रम हेतु समस्त क्षेत्रवासियों एवं स्थानीयजनों को अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होने हेतु अपील किया है।

फेडरेशन ने कैशलेस चिकित्सा योजना का प्रस्ताव पुनः राज्य शासन को दिया

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने प्रदेश के कर्मचारी-अधिकारियों एवं उनके परिवार के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना को लागू करने संबंधी प्रस्तावित योजना को पुनः मुख्यमंत्री एवं मुख्यसचिव को स्मरण-पत्र दिया है। गौरतलब है कि फेडरेशन विगत 5 वर्षों से राज्य शासन से पत्राचार कर रहा है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी, प्रांतीय प्रमुख महामंत्री सतीश ब्यौहरे, जिला संरक्षक मुकुल साव, जिला अध्यक्ष पीआर झाड़े, पीएल साहू, जितेंद्र बघेल, बृजभान सिन्हा, सीएल चंद्रवंशी, वीरेंद्र रंगारी, सोहन निषाद, अब्दुल कलीम खान, भूषण साव, स्वाति वर्मा, नवीन कुमार पांडे, उत्तम डड़सेना, देवचंद बंजारे, शिव प्रसाद जोशी, खोम लाल वर्मा, हेमंत पांडे, लीलाधर सेन, पुष्पेंद्र साहू, संजीव मिश्रा, हेमंत दोदिलकर, श्रीमती संगीता ब्यौहरे, श्रीमती अभिषिक्ता फंदियाल, सुधांशु सिंह, पायल देवांगन, वंदना पानसे, शिरीष कुमार पांडे, रमेश साहू, राजेश शर्मा, नरेश प्रसाद दुबे एवं रानी ऐश्वर्य सिंह ने बताया कि आकस्मिक दुर्घटना अथवा गंभीर बीमारी के स्थिति में तत्काल इलाज की जरूरत होती है। शासकीय सेवक के साथ हादसा-दुर्घटना होने की स्थिति में परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। परिवार को संपत्ति गिरवी रखकर अथवा कर्ज लेकर इलाज कराने बाध्य हो जाता है।

उन्होंने बताया कि कर्मचारी एवं परिवार के दुःख-दर्द को समझते हुये छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा (प्रांताध्यक्ष राजपत्रित अधिकारी संघ) एवं राजेश चटर्जी सचिव (प्रांताध्यक्ष प्रदेश शिक्षक फेडरेशन) ने अधिकारी-कर्मचारियों तथा उनके परिवार के लिए कैशलेस योजना को मुख्यमंत्री संजीवनी योजना के नाम से प्रस्तावित किया है, जो कि छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा कर्मचारी हित में बहुत बड़ा कल्याणकारी योजना होगा। उन्होंने बताया कि योजना को लागू करने से राज्य शासन पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा, लेकिन फर्जी मेडिकल देयकों के भुगतान एवं भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगा। उपचार नियमों में बाधाओं का सरलीकरण होगा। साथ ही, आर्थिक बचत भी होगा। उन्होंने बताया कि इलाज हेतु रेफेर करने की जटिल प्रक्रिया तथा मेडिकल देयकों के कार्योत्तर स्वीकृति में भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगा। यह योजना छत्तीसगढ़ सरकार का अपने कर्मचारी-अधिकारियों के लिए संवेदनशील होने का परिचायक होगा।

प्रस्तावित कैशलेस योजना में छत्तीसगढ़ राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का राज्य के भीतर एवं बाहर मान्यता-अधिकृत चिकित्सालय में इलाज होगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार, प्रत्येक शासकीय सेवक के कार्मिक संपदा के अनुसार संजीवनी कार्ड जारी करेगा। जिसमें कर्मचारी-अधिकारी एवं परिवार का पूर्ण विवरण रहेगा। गंभीर बीमारी अथवा दुर्घटना की स्थिति में राज्य शासन द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सालय में बिना अग्रिम राशि जमा किये इलाज प्रारंभ हो जायेगा। जिसका प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा ऑनलाइन भुगतान द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इलाज की पुष्टि थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर द्वारा संभव है।

उन्होंने बताया कि राज्य शासन को अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने एवं सुपर स्पेशियलिटी/मुख्य चिकित्सालयों में इलाज हेतु छत्तीसगढ़ चिकित्सा नियमों में परिवर्तन कर विभागीय अनुमति एवं रेफेर की प्रक्रिया को समाप्त करना होगा, जिसकी प्रक्रिया अत्यधिक जटिल है। उन्होंने बताया कि 8 जून 1973 भाग 4 (ग) पृष्ठ 279 से 533 तक मध्यप्रदेश राज्य पत्र में वर्णित चिकित्सा सुविधा नियम में परिवर्तन करना होगा, इससे राज्य शासन का अपने कर्मचारी-अधिकारी के प्रति संवेदनशीलता परिलक्षित होगी।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक कर्मचारी-अधिकारी को मुख्यमंत्री संजीवनी कार्ड जिला कलेक्टर के हस्ताक्षर से जारी होगा, जो कि उक्त कर्मचारी का पहचान पत्र भी होगा। चिकित्सालयों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति मध्यप्रदेश सिविल सर्विसेस चिकित्सा परिचर्चा नियम 1958 अथवा पश्चात के नियम के अंतर्गत निर्धारित प्रतिपूर्ति व्यय सीमा अनुसार ही राज्य शासन भुगतान करेगा। जितना कि मेडिकल बिल पारित होता है। शासकीय कर्मचारी, अधिकारी को विपत्ति के समय आर्थिक संकट से उबारने के दृष्टिगत इस योजना को कर्मचारी हित में लागू किया जाना चाहिये।

लगातार बारिश से फिल्टर प्लांट के ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी, रात भर महापौर व कमिश्नर समेत नगर निगम व विद्युत विभाग के अफसर डटे रहे

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत लगातार बारिश से फिल्टर प्लांट में कल रात बड़ी तकनीकी खराबी के कारण वाटर सप्लाई व्यवस्था पर असर पड़ा है। रात 12 बजे से तड़के साढ़े 3 बजे तक ट्रांसफार्मर में आई खराबी को दूर किया जा सका। इसके कारण आज शहर के कुछ इलाकों में देर से नल खुलेंगे। 24 एमएलडी और 11 एमएलडी प्लांट से नियमित समय पर सप्लाई हुई है, लेकिन 42 एमएलडी प्लांट से जुड़े इलाकों में देर से पानी सप्लाई होगी।फ़िल्टर प्लांट में लगातार बारिश के कारण खराबी आने के कारण महापौर धीरज बाकलीवाल व जल विभाग प्रभारी संजय कोहले आधी रात 12 बजे फ़िल्टर प्लांट पहुंचे और स्थिति का जयाजा लिया। पिछले तीन दिन से लगातार बारिश के कारण शिवनाथ नदी मे बाढ़ की स्थिति निर्मित होने से इंटेक्वेल मे कचरा जमा होने और 42 एमएलसी फ़िल्टर प्लांट के ट्रांसफार्मर मे मॉइश्चर आने के कारण वाटर सप्लाई प्रभावित हो गई है।महापौर व जल प्रभारी ने आधी रात फ़िल्टर प्लांट का जायजा लिया और सहायक अभियंता गिरीश दीवान एवं जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर से निरंतर जल प्रदाय न होने में आई परेशानी के सम्बन्ध मे विस्तार पूर्वक जानकारी ली। महापौर ने अतिशीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किये।महापौर धीरज बाकलीवाल ने तत्काल सीएसीबी विभाग के एई गिरी से फ़िल्टर प्लांट मे आई खराबी के सम्बन्ध मे विस्तार से चर्चा की। तत्काल समाधान करने कहा। रात करीब साढ़े 3 बजे सुधार कार्य पूरा हुआ।अथक प्रयास के बाद महापौर की उपस्थिति मे फिल्टर प्लांट का ट्रांसफार्मर व मोटर पंप चालू हुआ।42 एमएलडी फिल्टर प्लांट ट्रांसफॉर्मर के ठीक होने तक महापौर रात साढ़े 3 बजे तक खडे रहकर कार्य को पूर्ण कराया। इस दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त लोकेश चंद्राकर, जल कार्य प्रभारी संजय कोहले, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, जल कार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर, गौरव उमरे, सीएसईबी कॉन्ट्रैक्टर व इलेक्ट्रिकल ऑपरेटर उपस्थित रहे।

भौंरादादर के युवाओं ने पौधरोपण कर संरक्षण करने का लिया संकल्प

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के ग्राम पंचायत नौगड़ी के आश्रित ग्राम भौंरादादार के सेवाभावी युवा समिति के युवाओं ने वृक्षारोपण कर उनके संरक्षण हेतु आए आगे। भौंरादादर के मुनीचुआं समिति के युवाओं के नेतृत्व में ग्राम के युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गो द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। जिसमें नौगड़ी के सरपंच ने कहा कि वृक्ष हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है और स्वच्छ पर्यावरण और पृथ्वी पर पर्यावरण संतुलन हेतु आवश्यक है। स्वैच्छिक रूप से वृक्षारोपण कर वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया और साथ ही उन्होंने कहा कि पौधरोपण के बाद उनकी सुरक्षा जरूरी है ।

ग्राम के उत्साही युवाओं की पहल पर गांव के बच्चे, युवा वर्ग, महिला एवं बुजुर्गो का भी विशेष सहयोग रहा एवं सभी ने पौधे की संरक्षण, बचाव का संकल्प लिया।

मोहन साव ने बताया कि ,जलवायु नियंत्रण के लिए हम सबको कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण जरूर करे । पर्यावरण की बिगड़ती हुई दशा को सुधारने के लिए वृक्षारोपण ही एक विकल्प है । ग्राम के सभी नागरिकों को एक एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, ताकि जलवायु का संतुलन बना रहे। अगर समय रहते ही प्राकृति को नहीं बचाया गया तो आने वाले दिनों में पृथ्वी पर निवास करने वाले सभी जीवों को जल एवं वायु दोनों प्रकार के संकट से जूझना पड़ेगा।

नवीन सिदार ने कहा कि पर्यावरण की प्रदूषण को रोकना है तो पेड़ पौधे लगाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर पेड़ पौधे हमें फल और छाया देते हैं, वहीं पेड़ पौधों से हमें विभिन्न प्रकार की औषधियां मिलती हैं। चाहे कोई भी दवा हो, कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वनस्पतियों से जुड़ी हुई होती है।

रघुनाथ सिदार ने कहा कि पेड़ पौधे इस धरा के अनमोल आभूषण होते हैं। उनसे ही मनुष्य का जीवन आगे बढ़ता है। इनके अभाव में जीवन संभव नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि पेड़ पौधे अवश्य लगाएं। इस अवसर पर सरपंच मिलाप जगत, मोहन साव, नवीन सिदार, रघुनाथ सिदार,एवं ग्राम के अनेक लोग उपस्थित थे ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24